सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

**सु-विचार**
" अच्छी व सकारात्मक सोच भले ही किसी परेशानी से हमे निकाल ना सके लेकिन ये काफी हद तक उस परेशानी को कम जरूर कर देती है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-201 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 09 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

# E-20 पेट्रोल पर सियासत तेज : राहुल बोले 'पूरी दाल ही काली', केजरीवाल ने लगाया अमेरिका के दबाव का आरोप



## विपक्ष ने मांग की टेस्टिंग रिपोर्ट सार्वजनिक करें सरकार

*नई दृष्टिबिंदु* /नई दिल्ली।

देशभर में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल यानी ए20 को लेकर विवाद गहरा गया है। केंद्र सरकार की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति पर अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक साथ हमला बोला है। दोनों नेताओं ने ए20 से वाहनों को नुकसान और आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ने का आरोप लगाया है।

**राहुल गांधी: गाड़ियां खराब हो रही हैं**
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 53 सेकंड का वीडियो साझा किया। इसमें वह अपनी कार के फ्यूल टैंक पर लगे ए20 स्टिकर को दिखाते नजर आए। राहुल गांधी ने कहा, "सामान्यतः लोग कहते हैं कि दाल में कुछ काला है, लेकिन इस मामले में दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।" उन्होंने आरोप लगाया कि ए20 ईंधन के कारण लोगों की कारें, स्कूटर और अन्य वाहन खराब हो रहे हैं। जनता की मेहनत की कमाई बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर उठाएगी।

**केजरीवाल: बिना तैयारी थोपा गया फैसला, अमेरिका का दबाव**
दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार की नीयत और तैयारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने बिना पर्याप्त टेस्टिंग और बुनियादी ढांचा तैयार किए महज तीन साल में ए20 को पूरे देश पर जबरन लागू कर दिया। केजरीवाल के अनुसार पेट्रोल पंपों के स्टोरेज टैंक ए20 के अनुकूल नहीं हैं। एथेनॉल नमी सोखता है, जिससे टैंक और वाहनों की टंकी में पानी जमा हो रहा है और गाड़ियां सीज हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एथेनॉल लगभग 70 रुपये प्रति लीटर है जबकि कच्चा तेल और पेट्रोल करीब 50 रुपये प्रति लीटर पड़ता है। एथेनॉल से माइलेज भी कम मिलता है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि अमेरिका अपने एथेनॉल सरप्लस को बेचने के लिए मोदी सरकार पर दबाव बना रहा है, इसी कारण यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया। उन्होंने जनता से अपील की कि जब तक सरकार स्थिति स्पष्ट नहीं करती, तब तक लोग नई पेट्रोल-डीजल गाड़ियां खरीदने से बचें।

***सरकार का तर्क और लोगों की चिंता**
सरकार का कहना है कि ए20 यानी 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल के इस्तेमाल से कच्चे तेल का आयात घटेगा, विदेशी मुद्रा बचेगी, प्रदूषण कम होगा और किसानों की आय बढ़ेगी।
वहीं वाहन चालकों की शिकायत है कि पुरानी और गैर ए20 कंपैटिबल गाड़ियों में माइलेज गिर रहा है और इंजन व फ्यूल पाइपलाइनों को नुकसान पहुंच रहा है। विपक्ष ने सरकार से ए20 के प्रभाव से जुड़ा पूरा डेटा और टेस्टिंग रिपोर्ट सार्वजनिक

## अगस्त का बिजली बिल भी पिछले 5 माह जैसा बेतहाशा - बैज

**दीपक बैज का आरोप- बिजली बिल के नाम पर जनता को लूट रही भाजपा सरकार**

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।*

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अगस्त माह के बिजली बिल को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बिजली विभाग का दावा झूठा है कि जुलाई के बिलों में खपत कम हुई है। हकीकत में आम आदमी का अगस्त का बिल भी अप्रैल, मई, जून, जुलाई की तरह ही भारी भरकम आया है।

दीपक बैज ने कहा कि बिजली कंपनी दावा कर रही है कि जून की तुलना में जुलाई में 30 प्रतिशत खपत कम हुई है। लेकिन पिछले 8 माह में हर उपभोक्ता का औसत बिल 30 से 40 प्रतिशत हर महीने बढ़ा है। 8 महीने में बिल चार गुना से ज्यादा हो गया है। जून के बाद जुलाई में खपत कम होना स्वाभाविक है, लेकिन कंपनी 8 महीने का विश्लेषण जारी करे। उनके दावे भ्रामक और जनता को मुंह चिढ़ाने वाले हैं।

उन्होंने कहा, "एक तरफ जनता को लूटा जा रहा है, ऊपर से जनता को ही गलत ठहराया जा रहा है। चोरी ऊपर से सीना जोरी।"

**"5 बार बढ़ाए दाम, हाफ योजना बंद".**

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार और कंपनी का बिजली सस्ती होने का दावा जनता के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। ढाई साल में भाजपा सरकार ने बिजली के दाम 5 बार बढ़ाए हैं। 400 यूनिट हाफ योजना बंद कर दी गई।

उन्होंने कहा कि लोगों के राशन के बिल से ज्यादा महीने का बिजली बिल आ रहा है। सरकार का बिजली सस्ती होने का दावा बेशर्मी भरा है। स्मार्ट मीटर ज्यादा रीडिंग बता रहे हैं जिससे बिल बढ़ रहा है।

**."31.23 प्रतिशत बढ़े दाम".**

दीपक बैज ने आरोप लगाया कि जुलाई से घरेलू उपभोक्ताओं के दाम 30 से 50 पैसे और गैर-घरेलू में 20 से 40 पैसे बढ़ाए गए हैं। कृषि पंप की बिजली 40 पैसे महंगी हुई है। भाजपा सरकार बनने के बाद यह पांचवीं बार बढ़ोतरी है। हाल में 12 प्रतिशत विद्युत ईंधन अधिभार भी लगाया गया। कुल मिलाकर 31.23 प्रतिशत दाम बढ़ चुके हैं। जबकि कांग्रेस सरकार में 5 साल में सिर्फ 2 पैसे बढ़े थे और 400 यूनिट तक हाफ योजना थी।

**.बढ़े बिल के 3 कारण बताए.**

1. सरकार द्वारा बिजली के दाम बढ़ाना, 400 यूनिट हाफ योजना का बंद होना, अडानी कंपनी के स्मार्ट मीटर का ज्यादा रीडिंग देना

**.कांग्रेस की मांग.**

दीपक बैज ने मांग की कि बिजली के दाम घटाए जाएं, 400 यूनिट तक हाफ योजना फिर लागू हो और स्मार्ट मीटर वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार बिजली में लूट बंद नहीं करेगी, कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा।

## 60 से 80 साल के बुजुर्गों ने आंदोलन का ऐलान, युवाओं ने भी खोला मोर्चा

**"भिलाई को बचाना है" मुहिम के तहत बीएसपी गेट पर जोरदार प्रदर्शन, विधायक देवेंद्र यादव ने बढ़ाया हौसला**

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।*

बीएसपी प्रबंधन की नीतियों के खिलाफ भिलाई में बुजुर्गों और युवाओं ने एक साथ मोर्चा खोल दिया है। सेवा निवृत्त कार्मिक कल्याण संघ ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है, वहीं "भिलाई को बचाना है" मुहिम के तहत युवा कांग्रेस और आम नागरिकों ने बीएसपी मेन गेट के सामने प्रदर्शन किया। सिविक सेंटर स्थित मॉन्यूमेंट में सेवा निवृत्त कार्मिक कल्याण संघ की साप्ताहिक बैठक में बीएसपी प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश दिखा। संघ अध्यक्ष सुरेश चंद्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कार्मिक, रिटेंशनधारी और लाइसेंसधारी शामिल हुए।

सदस्यों ने कहा कि पिछले एक वर्ष से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से मांगें रखी जा रही हैं। 15 दिन का जनसंपर्क अभियान चलाकर घर-घर समस्याएं बताई गईं, लेकिन प्रबंधन का रुख नहीं बदला। आरोप लगाया कि कभी मामला केंद्र सरकार, कभी इस्पात मंत्रालय की नीति और कभी मॉनेटाइजेशन नीति का हवाला दिया जाता है। सुरेश चंद्र ने कहा कि



आंदोलन में 60 से 80 वर्ष के बुजुर्ग भी शामिल हैं। संवाद, निवेदन अब बहुत हुआ, अब अधिकारों और सम्मान के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष किया जाएगा। यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं बल्कि न्यायपूर्ण समाधान के लिए है।

बैठक में टाउनशिप में 500 से अधिक लोगों को घर खाली करने का नोटिस, मकानों के आवंटन, लाइसेंस, लीज रजिस्ट्रेशन और रिटेंशन पॉलिसी में बदलाव का विरोध किया गया। संघ ने मांग की कि समस्याओं को मानवीय दृष्टिकोण से देखकर प्रबंधन और शासन तत्काल संवाद कर स्थायी समाधान निकाले, अन्यथा आंदोलन और व्यापक होगा। इधर शनिवार को "भिलाई को बचाना है" मुहिम के तहत युवा कांग्रेस और भिलाईवासियों ने बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ मार्च निकाला। सेक्टर-1 मुर्गा चौक से बड़ी संख्या में लोग बीएसपी मेन गेट की ओर बढ़े। प्रदर्शनकारी 500 घर खाली करने के नोटिस और बीएसपी के कथित निजीकरण का विरोध कर रहे थे।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने मेन गेट के पास तीन लेयर की बैरिकेडिंग की थी। करीब 200 पुलिसकर्मी और 150 सीआईएसएफ जवान तैनात थे। प्रदर्शनकारी पहले बैरिकेड को पार कर आगे बढ़े तो दूसरे बैरिकेड पर उन्हें रोक लिया गया। इसके बाद करीब एक घंटे तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झूमाझटकी हुई। कुछ युवा पेड़ों पर चढ़ गए और पोस्टर फेंके। पुलिस ने उन्हें मेन गेट की ओर जाने से रोक दिया।

**विधायक देवेंद्र यादव ने किया समर्थन**
प्रदर्शन के दौरान भिलाई विधायक देवेंद्र यादव पहुंचे और प्रदर्शनकारियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बीएसपी प्रबंधन से मांगों पर जल्द निर्णय लेने की बात कही।

**विश्लेषण**

## 12 साल बाद मोदी सरकार के सामने 'फटीग फैक्टर' और नया विपक्षी समीकरण



*आलोक तिवारी/ नई दिल्ली*

*केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के साथ देश की सियासत एक नए मोड़ पर खड़ी है। एक तरफ सत्ता विरोधी लहर और थकान के संकेत, दूसरी तरफ विपक्ष में नई गोलबंदी की कोशिशें। प्रशांत किशोर की सक्रियता, राहुल गांधी की आक्रामकता और राज्यों में उभरते नए चेहरे 2027 और 2029 के चुनावों से पहले बीजेपी के लिए चुनौती बनते दिख रहे हैं।*

***सरकार पर "फटीग फैक्टर" का असर***

*राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 12 वर्षों के लंबे शासन के बाद केंद्र सरकार में थकान साफ दिख रही है। हाल के उपचुनावों में बीजेपी को मिली कुछ हारें इसका उदाहरण हैं। स्थानीय मुद्दों पर जनता की नाराजगी बढ़ रही है और इसे पार्टी के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।*

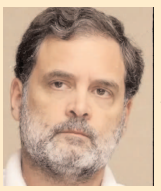



*संसद में भी सरकार दबाव में है। परिसीमन बिल और ऋछफअ संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयक अटके हुए हैं। विपक्ष राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े आरोपों और छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल जैसे मुद्दों पर लगातार हंगामा कर रहा है और हाथों में तख्तियां लेकर गृह मंत्री अमित शाह से सदन में जवाब मांग रहा है।*

***प्रशांत किशोर और राहुल गांधी: बन रहा नया फ्रंट?***

*देश की राजनीति में सबसे बड़ी चर्चा प्रशांत किशोर और राहुल गांधी की बढ़ती नजदीकी को लेकर है। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा और क्थउक्रअ गठबंधन को एकजुट करने की कोशिशें सत्तापक्ष के लिए नई सिरदर्दी बन सकती हैं।*

*अगर प्रशांत किशोर की जमीनी रणनीति और राहुल गांधी का चेहरा एक साथ आते हैं, तो 2027 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष को एक धार मिल सकती है। अभी यह गठबंधन शुरुआती दौर में है, लेकिन दोनों की बातचीत ने बीजेपी की चिंता बढ़ा दी है।*

***दक्षिण में नया भूचाल: विजय बनाम उदयनिधि***

*तमिलनाडु की राजनीति में सबसे बड़ा बदलाव अभिनेता विजय के उभार से आया है। उनकी रैलियों में उमड़ रही भीड़ और उटङ सरकार द्वारा लगाई जा रही पाबंदियों ने साफ कर दिया है कि विजय अब उदयनिधि स्टालिन के सीधे प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं।*

*सियासी गलियारों में चर्चा है कि यदि तमिलनाडु में विजय और राहुल गांधी का गठबंधन बनता है, तो यह उटङ और उसके सहयोगियों के लिए बड़ा झटका हो सकता है। दक्षिण में बीजेपी पहले से कमजोर है और ऐसे में तीसरे मोर्चे का उभरना समीकरण पूरी तरह बदल सकता है।*

*देश की राजनीति अभी संक्रमण के दौर में है। केंद्र सरकार को एक तरफ जनआकांक्षाओं और एंटी-इनकंबेंसी से जूझना है, दूसरी तरफ विपक्ष नए चेहरे और नई रणनीति के साथ मैदान में उतर रहा है।*

*प्रशांत किशोर-राहुल की जोड़ी कितनी जमती है और विजय जैसे नए नेता कितना बड़ा असर डालते हैं, यह अगले दो साल तय करेंगे। फिलहाल इतना तय है कि 2029 का रास्ता 2014 और 2019 जैसा आसान नहीं दिख रहा।*

## नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ अब प्रगति के पथ पर : विष्णुदेव साय

**आईटीवी नेटवर्क और इंडिया न्यूज के युवा मंच कार्यक्रम में हुए शामिल, विशिष्टजनों को किया सम्मानित**

*नई दृष्टिबिंदु* /रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद छत्तीसगढ़ अब समन्वित रूप से प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है। सरगुजा से लेकर बस्तर तक पूरे प्रदेश के लक्ष्यकेंद्रित विकास के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री शुक्रवार शाम राजधानी रायपुर के महोबा बाजार स्थित एक निजी होटल में आयोजित आईटीवी नेटवर्क और इंडिया न्यूज के युवा मंच कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित भी किया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी बाधा थी। सरकार के गठन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हुई बैठक में यह तथ्य सामने आया कि देश में शेष नक्सल समस्या का अधिकांश हिस्सा छत्तीसगढ़ में था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति से डेडलाइन तय कर सुरक्षाबलों ने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त बना दिया।

**पर्यटन और उद्योग को मिल रही नई गति.**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं हैं। बस्तर का चित्रकोट जलप्रपात नियाग्रा के नाम से प्रसिद्ध है। धुड़मारास गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों की सूची में शामिल किया है। वहां बम्बू राफ्टिंग जैसी गतिविधियां संचालित हैं और होम स्टे में पर्यटक रुक रहे हैं। नई उद्योग नीति में पर्यटन को भी शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि नई उद्योग नीति के तहत 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए हैं। सेमीकंडक्टर प्लांट, एआई डाटा सेंटर और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में काम शुरू हो चुका है। जो उद्यमी 1000 युवाओं को रोजगार देंगे उनके लिए विशेष इंसेंटिव का प्रावधान किया गया है। बरसात के बाद रोजगार मेला भी लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विकास का मूलमंत्र है। राज्य में हर स्तर पर स्कूल और हर ब्लॉक में कॉलेज संचालित हैं। बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद वहां एजुकेशन सिटी बनाई जा रही है। इसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है। आदिवासी बहुलता को देखते हुए राज्य में ट्राइबल यूनिवर्सिटी स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। पांच नए मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति मिल गई है जिसमें 250 सीटें स्वीकृत हुई हैं और इसी वर्ष से पढ़ाई शुरू होगी। बस्तर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बन गया है जहां अब ब्रेन ट्यूमर का भी इलाज हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और 40 हजार लोगों का उपचार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बहुल राज्य है।

# भिलाई निगम आयुक्त ने पीएम आवास, सड़क और मूलभूत सुविधाओं का किया निरीक्षण

## नागरिकों से सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर*

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, निर्माणाधीन सीमेंटीकरण सड़क, पार्किंग, नाली, पेयजल और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही स्थानीय नागरिकों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं।

आयुक्त ने सबसे पहले जोन-1 के खम्हरिया स्थित सूर्य विहार प्रधानमंत्री आवास परिसर पहुंचकर वहां सड़क, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इसके बाद शीतला वार्ड साकेत नगर, कोहका में निर्माणाधीन सीमेंटीकरण सड़क का अवलोकन कर कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कोहका एवं वार्ड क्रमांक 13 शीतला की पार्षद प्रतिनिधि सुमन सिन्हा और कॉलोनी के स्थानीय निवासियों से चर्चा की। नागरिकों ने जलभराव, सड़क, नाली, पेयजल और सफाई से जुड़ी समस्याएं बताईं। आयुक्त ने अधिकारियों को सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वार्ड में प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य के लिए स्थल का भी निरीक्षण किया और आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने को कहा। सुपेला घड़ी चौक में पार्किंग व्यवस्था देखी. इसके पश्चात आयुक्त सुपेला घड़ी चौक पहुंचीं और वहां की पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। यातायात को सुगम और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, रीमा जामुलकर, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, दीपक देवांगन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर भिलाई के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करना निगम की प्राथमिकता है।

**खास खबर**

# विश्व जैवलिन डे पर रविशंकर स्टेडियम में गूंजा खेल उत्साह

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।*

विश्व जैवलिन डे के अवसर पर गुरुवार को रविशंकर स्टेडियम, दुर्ग में भाला फेंक प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में एथलेटिक्स के प्रति रुचि बढ़ाने, जैवलिन थ्रो जैसे तकनीकी खेल को प्रोत्साहित करने और नई खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी शारीरिक क्षमता और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अजय आर्य ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और एकाग्रता विकसित करता है। जैवलिन थ्रो केवल भाला फेंकना नहीं, बल्कि तकनीक, शक्ति, संतुलन और अभ्यास का समन्वय है।

**भाला फेंक प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में धनिया ने मारी बाजी**

उन्होंने कहा कि जिस तरह खिलाड़ी लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सर्वश्रेष्ठ देता है, उसी तरह विद्यार्थियों को भी जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करना चाहिए। मैदान की हार भी जीवन की जीत की तैयारी होती है, क्योंकि हर प्रतियोगिता खिलाड़ी को अपनी कमियां सुधारने का अवसर देती है। आयोजक जलालुद्दीन ने कहा कि स्थानीय स्तर पर ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देते हैं। उचित मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास से जिला स्तर के खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। सुरेश ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों से युवाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है।

**.विजेताओं का सम्मान.**

समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को उज्ज्वल खेल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में आर. के. देवांगन, जशपाल सिंह, शकील सिद्दीकी, नवीन दुबे, अनंत रेखत, अनु विश्वास, धीरज वाधवानी, बी. जॉय, भारत जाजू और राजकुमार इंगोले सहित अनेक खेल प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों, निर्णायकों और सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

# दुर्ग में स्तनपान सप्ताह का आयोजन, माताओं को जागरूकता और पोषण पर जोर

## गोदभराई, शपथ और स्वास्थ्य जांच भी हुई, विजेताओं को किया गया सम्मानित

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तरीय स्तनपान सप्ताह का आयोजन विवेकानंद सभागार दुर्ग में किया गया। कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जम्बुलकर और जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ कार्यक्रम में उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग प्राधिकरण ललित चंद्राकर, महापौर दुर्ग अलका बघमार, पार्षद निलेश अग्रवाल, देवनारायण चंद्राकर, रंजीता पाटिल सहित अधिकारी, कर्मचारी, महिला स्वसहायता समूह की महिलाएं और कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत में परियोजना अधिकारी उषा झा ने बताया कि इस वर्ष की थीम "जीवन की सतत शुरुआत के लिए स्तनपान: कारगर उपायों को सुदृढ़ बढ़ाना" है। इसके तहत जिला परियोजना और सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम होंगे। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में स्तनपान के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं को समर्थन देना है। विशेष रूप से प्रसव के बाद पहले 6 महीने में सहायता महत्वपूर्ण है। परियोजना अधिकारी दुर्ग शहरी अनीता सिंह ने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए पहला वैक्सीन है। यह मस्तिष्क को मजबूत बनाता है और मानसिक, बौद्धिक विकास के साथ संपूर्ण पोषण देता है।

विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्तनपान बच्चे के लिए उपयोगी और रोग प्रतिरोधक होता है। साथ ही यह धात्री माता के लिए भी फायदेमंद है और स्तन कैंसर जैसी बीमारी से रक्षा करता है। महापौर अलका बघमार ने कहा कि स्तनपान से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और जिस मानसिक स्थिति में स्तनपान कराया जाता है, वह बच्चे को भी प्रभावित करता है।

आईसीपीएस की टीम से चंद्रप्रकाश पटेल, लोकमनी साहू, सीता कन्नौजे ने दतक ग्रहण योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ और पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी। रक्षा टीम के दीपक साहू ने अभिव्यक्ति ऐप और साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन 1930 के बारे में बताया।

स्वास्थ्य विभाग से सीपीएम संजीव दुबे ने गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीयन पर जोर दिया। बीएमओ बेलचंदन ने स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी के जरिए जानकारी दी। उपस्थित महिलाओं का लड़ और सिकलिंग जांच भी किया गया।

कार्यक्रम में पांच गर्भवती महिलाओं देवन्तिन यादव, देवकी, मनीषा, मोना साहू, खुशबू की गोदभराई की गई और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गई। विधायक ने सभी उपस्थित महिलाओं को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शपथ दिलवाई।

महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। कुर्सी दौड़ में प्रथम मंत्री सिन्हा, द्वितीय चंद्रकला और तृतीय टाकेश्वरी रहीं। स्वास्थ्य और स्तनपान की जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी में विजेता आशा दिल्हीवार, आरती वैष्णव, अरुणा सोनी, सरोजिनी सोनी, प्रभा कोठारे रहीं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से रीता रानी, हितेन्द्र कोसरे, विजय सिजुले, रक्षा टीम से मीरा वर्मा, दीपक साहू, यमिता साहू, परियोजना दुर्ग ग्रामीण और दुर्ग शहरी की सभी पयर्वेक्षक सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

### कार्यक्रम की मुख्य बातें.

1. थीम : जीवन की सतत शुरुआत के लिए स्तनपान : कारगर उपायों को सुदृढ़ बढ़ाना
2. फोकस : प्रसव के बाद पहले 6 महीने में स्तनपान और मातृ स्वास्थ्य
3. गतिविधियां : गोदभराई, स्वास्थ्य जांच, एबी सिकलिंग टेस्ट, योजनाओं की जानकारी
4. शपथ : बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शपथ दिलाई गई

# दुर्ग में 9 अगस्त को सजेगी "किशोर नाइट", गूंजेंगे किशोर कुमार के अमर गीत

**स्वरांजलि संगीत संस्था करेगी आयोजन, स्थानीय कलाकार देंगे प्रस्तुति**

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक राजधानी दुर्ग एक बार फिर सुरों की महफिल से गूंजने जा रहा है। स्वर सम्राट किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्था 'स्वरांजलि संगीत' द्वारा "स्वरांजलि संगीतमयी प्रस्तुति किशोर नाइट" का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रविवार 9 अगस्त 2026 को सायं 6 बजे से सतरूपा शीतला मंदिर प्रांगण, सिविल लाइन, दुर्ग में आयोजित होगा।

संस्था के संस्थापक निर्देशक संजय दुबे और सचिव सूर्यकला शर्मा ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से संस्था बिना किसी व्यावसायिक उद्देश्य के संगीत एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। संस्था ने स्थानीय कलाकारों को मंच देने के साथ हजारों संगीत प्रेमियों को उत्कृष्ट प्रस्तुतियां उपलब्ध कराई हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल संगीत संध्या नहीं बल्कि भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर को समर्पित सांस्कृतिक उत्सव है। कार्यक्रम का उद्देश्य संगीत के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना, सकारात्मक माहौल और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। सचिव सूर्यकला शर्मा ने बताया कि स्वरांजलि संगीत दुर्ग-भिलाई अंचल के नवोदित गायक-गायिकाओं के लिए प्रतिष्ठित मंच बन चुकी है। अनेक युवा कलाकारों ने इसी मंच से पहचान बनाई है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार होंगी। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा, लीनेस क्लब ऑफ दुर्ग सिटी की अध्यक्ष आकांक्षा मिश्रा, जन भागीदारी समिति की प्रीति साहू, उद्योगपति मनीष पारख, समाजसेवी अनूप अग्रवाल, पार्षद आशीष चंद्राकर और विनोद चंद्राकर शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में शहर के प्रसिद्ध गायक अनुभव जैन, अनिल शुक्ला, अविनाश तिवारी, जाहिद अली, सूरज अग्रवाल और गायिकाएं पीयूषा मनहरे, गीता सिंह, तृप्ति साहू, ज्योति सिंह किशोर कुमार के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देंगे।

### संगीत प्रेमियों से अपील

सचिव सूर्यकला शर्मा ने दुर्ग, भिलाई और आसपास के संगीत प्रेमियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर स्थानीय कलाकारों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

# रिसाली निगम में कायर्शाला, आंतरिक परिवाद समिति में अब पुरुष भी कर सकेंगे शिकायत

**गोपनीयता के साथ होगी शिकायतों की सुनवाई, दोषी की नौकरी भी जा सकती है**

*नई दृष्टिबिंदु / रिसाली*

महिलाओं के सम्मान और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिक निगम रिसाली में कायर्शाला आयोजित की गई। आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर निगम सभागार में हुई इस कायर्शाला में बताया गया कि अब आंतरिक परिवाद समिति में पुरुष भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

कायर्शाला में मेरी भागीदारी संस्था की निशा देशमुख और अमोल मालुसरे ने समिति के गठन, कार्यप्रणाली और शिकायत निवारण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

**गोपनीय रहेगी शिकायत और पहचान.**

निशा देशमुख ने कहा कि समाज में महिला और पुरुषों की सहभागिता बराबर है। कई बार विषम परिस्थिति में महिलाएं सम्मान के डर से शिकायत नहीं करतीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंतरिक परिवाद समिति में आवेदन और कायवाही दोनों गोपनीय रहते हैं। शिकायत के बाद शिकायतकर्ता का नाम या पहचान सार्वजनिक नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रताड़ना संबंधी शिकायत पुरुष भी कार्यालय में गठित आंतरिक परिवाद समिति (कठउ) में कर सकते हैं।

**समिति स्वयं ले सकती है संज्ञान**

कार्यकर्ता ने बताया कि समिति का कार्यक्षेत्र व्यापक है। यदि पीड़िता भय के कारण शिकायत नहीं करती, लेकिन चर्चा में मामला सामने आता है, तो समिति बैठक बुलाकर स्वयं संज्ञान ले सकती है। जरूरी नहीं कि पीड़ित ही शिकायत करे, घटना उजागर होने पर कोई भी व्यक्ति पीड़ित पक्ष की ओर से शिकायत कर सकता है। हालांकि शिकायत की प्रमाणिकता आवेदक को देनी होगी।

**दोष सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई**

कायर्शाला में बताया गया कि दोष सिद्ध होने पर समिति नौकरी से बर्खास्तगी, वेतन वृद्धि पर रोक या अन्य प्रावधानों के अनुसार दंड निर्धारित कर अपना प्रतिवेदन नियोक्ता को सौंप सकती है।

# अवैध पार्किंग और गुमटियों पर निगम-यातायात की संयुक्त कार्रवाई

## मुख्य मार्ग पर यातायात सुगम बनाने अतिक्रमण हटाए, वाहनों पर चालानी कार्रवाई

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 क्षेत्र में सुपेला चौक से चंद्रा मौर्या टॉकीज चौक तक अवैध पार्किंग और बेजा कब्जा जमाए गुमटियों के खिलाफ शुक्रवार को राजस्व विभाग एवं यातायात विभाग की संयुक्त टीम ने सख्त कारवाई की।

मुख्य मार्ग पर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और आम नागरिकों को हो रही असुविधा दूर करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

कारवाई के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से लगाई गई गुमटियों, ठेलों और अस्थाई अतिक्रमणों को हटाया गया। चेतावनी के बाद भी न हटने वाले सामानों की जब्ती की गई। वहीं नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर यातायात पुलिस द्वारा चालानी कारवाई की गई।

इस पूरी कारवाई के दौरान जोन-1 सहायक राजस्व अधिकारी शशांक शेखर, उड़नदस्ता प्रभारी विनय शर्मा, उड़नदस्ता सहायक हरिओम गुप्ता, यातायात पुलिस बल और निगम की बेदखली टीम मौजूद रही। निगम प्रशासन ने व्यापारियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे मुख्य मार्गों और फुटपाथों पर अतिक्रमण न करें तथा अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें। निगम ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह की कारवाई निरंतर जारी रहेगी।

## मासिक मोरल टॉक में विद्यार्थियों के सवालों का आचार्य डॉ. अजय आर्य ने किया समाधान

दुर्ग। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित मासिक मोरल टॉक में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पढ़ाई, आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व निर्माण से जुड़े सवाल पूछे, जिनका उन्होंने सरल और प्रेरक अंदाज में उत्तर दिया।

उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी बीमारी "लोग क्या कहेंगे" है। अपनी ऊर्जा इस बात में खर्च करने के बजाय कि लोग क्या सोच रहे हैं, हमें यह देखना चाहिए कि हम अपने जीवन में कितना अच्छा कर रहे हैं। हम अक्सर चाहते हैं कि दूसरे बदल जाएं, लेकिन खुद में बदलाव नहीं लाते। सच्ची प्रार्थना का अर्थ है बेहतर कर्म करने और स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति मांगना। समय के महत्व पर उन्होंने कहा कि धन वापस कमाया जा सकता है, वस्तु फिर मिल सकती है, लेकिन बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। विद्यार्थी मोबाइल और अनावश्यक चिंताओं में समय न गंवाएं। प्रतिदिन कुछ समय अध्ययन, चिंतन, व्यायाम और परिवार के साथ संवाद के लिए निकालें। वर्तमान का सदुपयोग ही भविष्य का निर्माण करता है।

एक बोधकथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि जीवन शिकायतों से नहीं, सुधार के प्रयासों से बदलता है। दूसरों की कमी खोजने के बजाय अपने भीतर अच्छाई जोड़ें।

हास्य के बीच गंभीर संदेश देते हुए कहा कि प्रश्न पूछना कमजोरी नहीं, सीखने की शुरुआत है। जो विद्यार्थी प्रश्न पूछता है वह अपनी सीखने की गति बढ़ाता है।

Change of Name
This is to inform the general public that I, Aishwarya Thakur, daughter of Mahendra Singh Thakur—resident of 15A, Road 23, Sector 2, Bhilai, District Durg, Chhattisgarh (PIN 490001)—hereby declare that my father has adopted the name 'Mahendra Singh Thakur' in place of his former name, 'Mahendra Thakur'.
Therefore, effective immediately, I request that my father be known and recognized solely by his new name, Mahendra Singh Thakur, in all government, semi-government, and other documents.
Aishwarya Thakur
15A, Road 23, Sector 2, Bhilai
District Durg, Chhattisgarh (PIN 490001)

# यूपीआई पर एमडीआर नहीं लगेगा, छोटे कारोबारियों को बड़ी राहत

## राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक पांडे ने कहा- डिजिटल इंडिया की असली सफलता यही है, रेहड़ी पटरी महासंघ ने केंद्र सरकार का जताया आभार

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

अखिल भारतीय रेहड़ी पटरी व्यवसाय महासंघ ने केंद्र सरकार और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के उस निर्णय का स्वागत किया है जिसमें स्पष्ट किया गया है कि आम उपभोक्ताओं और छोटे कारोबारियों के लिए यूपीआई भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेगा।

पीसीआई ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि 2016 में लॉन्च होने के बाद से यूपीआई उपभोक्ताओं के लिए निःशुल्क रहा है और आगे भी रहेगा। व्यक्तियों पर किसी प्रकार का ट्रांजेक्शन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। छोटे व्यापारियों को भी यूपीआई स्वीकार करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक पांडे ने केंद्र सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस जनहितैषी निर्णय से देश के करोड़ों रेहड़ी-पटरी, ठेले-खोमचे और छोटे दुकानदारों को बड़ी राहत मिली है।

उन्होंने कहा, "डिजिटल इंडिया की असली सफलता यही है कि आज एक छोटा सा रेहड़ी वाला भी बिना किसी अतिरिक्त बोझ के यूपीआई से भुगतान ले पा रहा है। यदि एमडीआर लगाया जाता तो सबसे ज्यादा मार हमारे गरीब स्ट्रीट वेंडर्स पर पड़ती।"

आलोक पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा छोटे कारोबारियों के हितों को प्राथमिकता दी है और यह फैसला उसी का प्रमाण है। इससे ग्राहकों को बिना शुल्क तत्काल डिजिटल भुगतान की सुविधा मिलती रहेगी और छोटे कारोबारियों का डिजिटल लेन-देन के प्रति विश्वास और बढ़ेगा। महासंघ ने केंद्र सरकार और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के इस स्पष्ट और स्वागत योग्य निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया है।

**पीसीआई का बयान**

1. यूपीआई 2016 से उपभोक्ताओं के लिए निःशुल्क है और आगे भी रहेगा
2. व्यक्तियों पर कोई ट्रांजेक्शन शुल्क नहीं लगेगा
3. छोटे व्यापारियों से भी यूपीआई भुगतान स्वीकार करने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा

**खास खबर**

## संरक्षित खेती से बदली तस्वीर, जशपुर के किसान अनारथ साय बने आत्मनिर्भरता की मिसाल

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में किसान अब पारंपरिक धान के साथ उद्यानिकी और संरक्षित खेती को अपना रहे हैं। जशपुर जिले के ग्राम पतराटोली के किसान अनारथ साय ने एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाकर खेती से आर्थिक मजबूती की नई मिसाल पेश की है।

***शेडनेट हाउस से हो रही टमाटर की खेती.**

अनारथ साय ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत एक एकड़ में शेडनेट हाउस स्थापित कर संरक्षित खेती शुरू की है। इसमें वे ग्राफ्टेड टमाटर की आधुनिक तकनीक से खेती कर रहे हैं। इससे फसल को मौसम की मार से बचाव और बेहतर गुणवत्ता मिल रही है। 28 लाख 40 हजार रुपये की लागत वाले इस शेडनेट में उद्यानिकी विभाग ने 14 लाख 20 हजार रुपये का अनुदान दिया। विभागीय सहयोग से किसान ने खेती को नई दिशा दी है।

**.ऑयल पाम, आम-लीची और अंतरवर्ती फसलें.**

किसान ने ऑयल पाम की खेती भी शुरू की है, जो भविष्य में स्थायी आय का स्रोत बनेगी। समेकित उद्यानिकी विकास योजना के तहत 2 हेक्टेयर में आम और लीची का बगीचा भी लगाया गया है। बागवानी फसलों के बीच खाली जगह में उन्होंने स्ट्रॉबेरी, टमाटर और फूलगोभी की अंतरवर्ती खेती की है। इससे साल के अलग-अलग समय में आय मिल रही है और भूमि का अधिकतम उपयोग हो रहा है।

**.फसल विविधीकरण से कम हुआ जोखिम.**

अनारथ साय का कहना है कि एक ही फसल पर निर्भर रहने के बजाय विविध फसलें अपनाने से जोखिम कम होता है और आय बढ़ती है। कम संसाधनों में वर्षभर आय के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली सबसे उपयोगी है। उनकी सफलता जशपुर के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है। उद्यानिकी और संरक्षित खेती का विस्तार जिले की कृषि अर्थव्यवस्था को नई पहचान दे रहा है।

# सेन समाज सनातन परंपराओं और सामाजिक समरसता का आधार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

## नया रायपुर में संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर होगा चौक का नामकरण

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सेन समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस समाज ने सदियों से भारतीय समाज की सामाजिक व्यवस्था, संस्कारों और समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर का इस समाज से होना पूरे सेन समाज के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को राजधानी रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित सेन शक्ति सम्मेलन एवं केश शिल्पी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सेन समाज को सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की।

**नया रायपुर में सेन जी महाराज के नाम पर चौक**

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर नया रायपुर में चौक का नामकरण किया जाएगा। इसके लिए कमेटी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि सेन समाज और अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों की आज की आवश्यकताओं और मांगों पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केश शिल्पी कल्याण बोर्ड का गठन पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के कार्यकाल में हुआ था। उस समय सैलून किट, कुम्हारों को बैटरी चलित चाक और बढ़ई समाज को कारपेंट्री किट देने की शुरुआत हुई थी। अब बोर्ड को युवा नेतृत्व मिला है और गौरी शंकर श्रीवास के नेतृत्व में सेन समाज को आगे बढ़ाने का काम तेजी से होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुनर और प्रतिभा का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता और ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

**सरकार की योजनाओं का जिक्र**

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश वादे पूरे किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी जा रही है। महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख माताओं-बहनों को हर महीने 1000 रुपये दिए जा रहे हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपये की सहायता, तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक में वृद्धि और युवाओं के लिए 20 हजार से अधिक भर्तियों की गई हैं। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि सेन समाज हजारों वर्षों से गांव और सामाजिक व्यवस्था की धुरी रहा है। विधायक रिकेश सेन और फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन समाज की सेवा में सक्रिय हैं। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि कौशल विकास विभाग के माध्यम से सेन समाज के युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष गौरीशंकर श्रीवास ने कहा कि कोरोना काल में सेन समाज ने निस्वार्थ सेवा की। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, रजकाकार कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, खाद्य आयोग अध्यक्ष संदीप शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सेन समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

### मुख्यमंत्री की घोषणाएं और अपील

1. सेन समाज को सामुदायिक भवन के लिए 50 लाख रुपये
2. नया रायपुर में संत शिरोमणि सेन जी महाराज के नाम पर चौक का नामकरण
3. बिजली बिल समाधान योजना और प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ लेने की अपील
4. सेवा सेतु और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के जरिए घर बैठे सेवाएं और शिकायत निवारण

# 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस, 17 को मॉप-अप दिवस

## प्रदेश के 1.10 करोड़ बच्चों को एल्बेंडाजोल की खुराक देकर कृमि संक्रमण से बचाने का अभियान

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पढ़ाई के लिए प्रदेश में 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इस दिन राज्यभर में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभियान का लक्ष्य प्रदेश के लगभग 1.10 करोड़ बच्चों और किशोरों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना है। इसके लिए शासकीय और निजी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा अन्य संस्थानों के माध्यम से दवा सेवन करवाने की व्यवस्था की गई है।

**कृमि संक्रमण से होती है कई समस्याएं**

कृमि संक्रमण अस्वच्छ वातावरण, खुले में शौच, दूषित पानी और बिना हाथ धोए भोजन करने से फैलता है। इससे बच्चों में कुपोषण, एनीमिया, कमजोरी, भूख न लगना और पढ़ाई में एकाग्रता की कमी हो सकती है। शरीर को पोषक तत्व नहीं मिलने से शारीरिक और मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन नियमित दवा सेवन को इसके बचाव का प्रभावी उपाय मानता है।

**कैसे दी जाएगी दवा**

अभियान में 1 से 2 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली और 2 से 19 वर्ष के बच्चों को पूरी गोली दी जाएगी। दवा प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की निगरानी में खिलाई जाएगी। मैदानी कर्मियों को पहले ही आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे इसे सिर्फ स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानें, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य से जुड़ा अवसर समझें। यदि कोई बच्चा 10 अगस्त को दवा नहीं ले पाता है तो 17 अगस्त को मॉप-अप दिवस पर उसे खुराक दी जाएगी। विभाग का कहना है कि कृमिनाशक दवा से कुपोषण और एनीमिया कम करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शैक्षणिक क्षमता में सुधार लाने में मदद मिलती है।

### राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस: जरूरी बातें

1. तिथि: 10 अगस्त 2026 राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस, 17 अगस्त मॉप-अप दिवस
2. लक्ष्य समूह: 1 से 19 वर्ष तक के बच्चे और किशोर-किशोरी
3. लक्ष्य: प्रदेश के 1.10 करोड़ बच्चों को एल्बेंडाजोल की खुराक
4. खुराक: 1-2 वर्ष को आधी गोली, 2-19 वर्ष को पूरी गोली
5. माध्यम: स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और अन्य संस्थान

# अगस्त का बिजली बिल भी पिछले 5 माह जैसा बेतहाशा- कांग्रेस

## दीपक बैज का आरोप- बिजली बिल के नाम पर जनता को लूट रही भाजपा सरकार

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अगस्त माह के बिजली बिल को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस दीपक बैज ने कहा कि बिजली कंपनी दावा कर रही है कि जून की तुलना में जुलाई में 30 प्रतिशत खपत कम हुई है। लेकिन पिछले 8 माह में हर उपभोक्ता का औसत बिल 30 से 40 प्रतिशत हर महीने बढ़ा है। 8 महीने में बिल चार गुना से ज्यादा हो गया है। जून के बाद जुलाई में खपत कम होना स्वाभाविक है, लेकिन कंपनी 8 महीने का विश्लेषण जारी करे। उनके दावे भ्रामक और जनता को मुंह चिढ़ाने वाले हैं। उन्होंने कहा, "एक तरफ जनता को लूटा जा रहा है, ऊपर से जनता को ही गलत ठहराया जा रहा है। चोरी ऊपर से सीना जोरी।

**5 बार बढ़ाए दाम, हाफ योजना बंद**

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार और कंपनी का बिजली सस्ती होने का दावा जनता के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। ढाई साल में भाजपा सरकार ने बिजली के दाम 5 बार बढ़ाए हैं। 400 यूनिट हाफ योजना बंद कर दी गई।

उन्होंने कहा कि लोगों के राशन के बिल से ज्यादा महीने का बिजली बिल आ रहा है। सरकार का बिजली सस्ती होने का दावा बेशर्मी भरा है। स्मार्ट मीटर ज्यादा रीडिंग बता रहे हैं जिससे बिल बढ़ रहा है।

**"31.23 प्रतिशत बढ़े दाम".**

दीपक बैज ने आरोप लगाया कि जुलाई से घरेलू उपभोक्ताओं के दाम 30 से 50 पैसे और गैर-घरेलू में 20 से 40 पैसे बढ़ाए गए हैं। कृषि पंप की बिजली 40 पैसे महंगी हुई है। भाजपा सरकार बनने के बाद यह पांचवीं बार बढ़ोतरी है। हाल में 12 प्रतिशत विद्युत ईंधन अधिभार भी लगाया गया। कुल मिलाकर 31.23 प्रतिशत दाम बढ़ चुके हैं। जबकि कांग्रेस सरकार में 5 साल में सिर्फ 2 पैसे बढ़े थे और 400 यूनिट तक हाफ योजना थी।

**.कांग्रेस की मांग.**

दीपक बैज ने मांग की कि बिजली के दाम घटाए जाएं, 400 यूनिट तक हाफ योजना फिर लागू हो और स्मार्ट मीटर वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार बिजली में लूट बंद नहीं करेगी, कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा।

# पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल से ग्लोबल ट्रैवल एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य भेंट

**रायपुर।** ग्लोबल ट्रैवल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष जैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल से सौजन्य भेंट की। बैठक में छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार देने, राज्य को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाने और पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान राज्य में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ की एयर कनेक्टिविटी, सड़क संपर्क, पर्यटन अवसंरचना के विकास, प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच, पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने जैसे विषय शामिल थे।

जीटीए प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न सुझाव मंत्री के समक्ष रखे।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं का विस्तार, बेहतर संपर्क व्यवस्था और पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पर्यटन के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।

मुलाकात के दौरान जीटीए के महासचिव शुभम अग्रवाल और कोषाध्यक्ष राहुल वासवानी ने पर्यटन मंत्री को 22 अगस्त को आयोजित होने वाले जीटीए कान्क्लेव में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति के लिए सहमति दी।

# पीडीएस में पारदर्शिता के लिए बड़ी पहल, रायपुर-दुर्ग-बिलासपुर में शुरू हुए 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम'

## 247 बायोमेट्रिक से मिलेगा राशन, कतार और समय की बाध्यता से मिलेगी मुक्ति

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने शुक्रवार को प्रदेश के पहले तीन 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' का रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में ऑनलाइन शुभारंभ किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ ग्रेन एटीएम संचालित करने वाला देश का पांचवां राज्य बन गया है।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के जरिए राशनकार्डधारी अब अपनी सुविधा के अनुसार 24 घंटे चावल ले सकेंगे। इसके लिए मशीन की स्क्रीन पर आधार नंबर या राशनकार्ड नंबर दर्ज कर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण करना होगा। इसके बाद निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न मिल जाएगा।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि इस सुविधा से उचित मूल्य की दुकानों में लगने वाली कतार और समय की बाध्यता से हितग्राहियों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पीडीएस को आधुनिक और जनसुविधा केंद्रित बनाने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं।

ग्रेन एटीएम की खासियत यह है कि छत्तीसगढ़ के साथ अन्य राज्यों के राशनकार्डधारी भी वन नेशन-वन राशनकार्ड योजना के तहत बायोमेट्रिक से खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। इससे प्रवासी श्रमिकों को भी सुविधा होगी।

### अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की मुख्य बातें

1. स्थान: रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में पहले चरण में शुरू
2. समय: 247 घंटे सुविधा, आधार/राशनकार्ड + बायोमेट्रिक से वितरण
3. क्षमता: प्रति मशीन 2500 किलोग्राम तक खाद्यान्न भंडारण
4. विशेषता: वन नेशन-वन राशनकार्ड से अन्य राज्यों के हितग्राही भी ले सकेंगे लाभ
5. उद्देश्य: कतार मुक्त, पारदर्शी और समय की बचत वाला राशन वितरण

### 2500 किलो तक भंडारण क्षमता

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के सहयोग से स्थापित इन मशीनों की भंडारण क्षमता लगभग 2500 किलोग्राम है। चावल की लोडिंग पूरी तरह स्वचालित होगी। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद ही मशीन खाद्यान्न देगी, जिससे वितरण में पारदर्शिता और निगरानी मजबूत होगी। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की प्रतिनिधि नजीनो हॉसीमोनी ने इसे पारदर्शी पीडीएस की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। शुभारंभ के दौरान शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडे, विधायक मोती लाल साहू, खाद्य विभाग सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, संचालक डॉ. फरिहा आलम और नागरिक आपूर्ति निगम की एमडी इफ्फत आरा उपस्थित थीं।

## संपादकीय

# उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कई सारे समीकरण बदलने वाले हैं

*हम आपको बता दें कि दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा दर्ज यौन उत्पीड़ ? मामले में बृजभूषण शरण सिंह और तत्कालीन डब्ल्यूएफआई सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। करीब तीन वर्षों तक देश की राजनीति, खेल जगत और मीडिया के केंद्र में रहे पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष एवं पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को आखिरकार दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत से बड़ी राहत मिल गई। महिला पहलवानों द्वारा दर्ज यौन उत्पीड़ ? मामले में अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। दैसे बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों के समर्थन में जिस तरह तमाम विपक्षी नेता खड़े हो गये थे उसके चलते यह सब कुछ शुरू से ही राजनीतिक षड्यंत्र नजर आ रहा था। उल्लेखनीय है कि जंतर मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन कराया गया था और धरने के मंच पर तमाम बड़े विपक्षी नेता पहुँचे थे और मंच से दिये गये भाषणों के जरिये भाजपा को महिला विरोधी बताया जा रहा था। साथ ही बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ देशभर में माहौल बनवाने और मीडिया ट्रायल के जरिये उनकी छवि बिगाड़ ? के तमाम प्रयास किये गये थे। आरोप लगाने वाले पहलवानों ने अपने मंडल गंगा में बहाने तक की नौटंकी भी की थी ताकि जनता की सहानुभूति अर्जित की जा सके और हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जिताया जा सके। लेकिन साच का आंच नहीं वाली कहावत सही सिद्ध हुई और बृजभूषण सभी आरोपों से बाइज्जत बरी हो गये। हम आपको बता दें कि दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा दर्ज यौन उत्पीड़ ? मामले में बृजभूषण शरण सिंह और तत्कालीन डब्ल्यूएफआई सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। इस फैसले ने न केवल तीन वर्षों से चल रहे कानूनी विवाद का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त किया है, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी नए समीकरणों की चर्चा तेज कर दी है। उधर, फैसले के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि उन्हें शुरू से अपने ऊपर लगे आरोपों पर भरोसा नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि यदि आरोप सही साबित हुए तो वह स्वयं फांसी पर चढ़ जाएंगे, लेकिन आज का दिन उनके लिए प्रसन्नता का विषय है। वहीं, सरकारी पक्ष ने कहा है कि विस्तृत निर्णय मिलने के बाद उसका अध्ययन किया जाएगा और आवश्यकता पड़ ? पर उच्च अदालत में आगे की कानूनी कारवाई पर विचार किया जाएगा। हम आपको याद दिला दें कि यह मामला अप्रैल 2023 में तब शुरू हुआ था, जब दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में छह महिला पहलवानों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसी दौरान एक नाबालिग की शिकायत पर पॉक्सो कानून के तहत भी अलग मामला दर्ज हुआ था। जून 2023 में दिल्ली पुलिस ने करीब 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें चार राज्यों के 22 गवाहों के बयान शामिल थे। बाद में नाबालिग शिकायतकर्ता और उसके पिता ने अपने आरोप वापस ले लिए थे। पुलिस ने अदालत से पॉक्सो मामला समाप्त करने का अनुरोध किया था जिसे मई 2025 में अदालत ने स्वीकार कर लिया था।*

# अब देश का कोई भी जिला वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित नहीं

*रत ने वामपंथी उग्रवाद से लगभग पूरी तरह मुक्त होने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अब देश का कोई भी जिला वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित नहीं है। यह परिवर्तन एक बहुआयामी और समन्वित रणनीति का परिणाम है, जिसमें सुरक्षा अभियान, बुनियादी ढांचे का विस्तार, आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों का पुनर्वास, आदिवासी कल्याण और सुशासन को समान शांति व सुरक्षा के नए युग का शुभारंभ- लगभग छह दशकों तक भारत वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से जूझता रहा। यह केवल एक सुरक्षा समस्या नहीं थी, बल्कि लाखों आदिवासी परिवारों और उन गांवों के लिए रोजमर्रा की कठोर वास्तविकता थी, जो लंबे समय तक सड़कों, स्कूलों व समावेशी विकास के अवसरों से वंचित रहे। लगातार होने वाली हिंसा ने इन क्षेत्रों में जीवन को अनिश्चितता और भय से घेर रखा था। 31 मार्च 2026 को इस स्थिति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया और भारत की आंतरिक सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ। देश ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता प्राप्त की। मई 2014 में केंद्र सरकार के सत्ता में आने के समय रेड कॉरिडोर देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने मौजूद सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक था। पहले अपनाए गए उपाय काफी हद तक बिखरे हुए और घटनाओं पर आधारित थे। इनमें अक्सर समस्या की मूल वजहों को दूर करने के बजाय उसके तत्काल प्रभावों से निपटने पर अधिक जोर दिया जाता था। इसके बाद वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास, बुनियादी ढांचे, सुशासन और जनकल्याण को एक साथ जोड़ने वाली व्यापक एवं एकीकृत रणनीति अपनाई गई। इसी समन्वित दृष्टिकोण ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव की नींव रखी।*

पिछले बारह वर्षों में यह बदलाव तीन परस्पर जुड़े और एक-दूसरे को मजबूत करने वाले प्रयासों के माध्यम से आया। लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करने के लिए सुरक्षा अभियानों को सुदृढ़ किया गया, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास के लिए व्यवस्थित तंत्र विकसित किए गए तथा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तक लगातार पहुंच बनाई गई।

बुनियादी ढांचे के विस्तार के तहत भौतिक व डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया, दूर-दराज के क्षेत्रों तक प्रशासन की पहुंच बढ़ाई गई और दीर्घकालिक आर्थिक अवसरों का सृजन किया गया। वहीं, कल्याणकारी गतिविधियों में सम्मान, समावेशी सेवाओं की पहुंच, सांस्कृतिक समावेशन और प्रभावित समुदायों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ ? पर विशेष जोर दिया गया। इनमें से प्रत्येक प्रयास ने दूसरे प्रयासों को और मजबूत किया। सुरक्षा ने विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया, विकास ने लोगों का विश्वास गहरा किया और विश्वास ने कल्याणकारी पहलों को गति प्रदान की। यह कोई क्रमिक प्रक्रिया नहीं थी, जिसमें एक कदम के बाद दूसरा कदम उठाया गया हो; बल्कि यह शांति, विकास एवं विश्वास को लगातार मजबूत करने वाली एक सशक्त और अविच्छिन्न कड़ी थी।

सरकार पर भरोसा बहाल करना- इस प्रयास का उद्देश्य संवेदनशील और दूर-दराज के क्षेत्रों में सरकार की निरंतर उपस्थिति के माध्यम से लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करना था। प्रभावी व समन्वित कारवाई सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकारी संस्थाओं के बीच तालमेल को और मजबूत किया गया। इस समग्र दृष्टिकोण ने स्थानीय समुदायों और सरकारी तंत्र के बीच लंबे समय से बनी दूरी को कम करने तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2014 से पहले हिंसा का चरम दौर- वामपंथी उग्रवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी विद्रोह से हुई। यह आंदोलन माओवादी विचारधारा और सशस्त्र क्रांति के सिद्धांत से प्रेरित था। इसका मूल विचार हिंसक क्रांति के माध्यम से सत्ता हासिल करना था। समय के साथ वामपंथी उग्रवाद का विस्तार कई क्षेत्रों में हुआ। उग्रवादी संगठनों ने हथियारों और संसाधनों के लिए सरकारी प्रतिष्ठानों तथा पुलिस शस्त्रागारों को भी निशाना बनाया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नक्सलियों के लगभग 92 प्रतिशत हथियार पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए थे। वर्ष 2004 में कई उग्रवादी संगठनों के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में विलय के बाद यह संगठन और अधिक संगठित एवं प्रभावशाली हुआ। इसके परिणामस्वरूप वामपंथी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया।

साल 2004 से 2014 का दशक वामपंथी उग्रवाद के इतिहास में सबसे हिंसक दशकों में से एक था। हिंसा 2010 में अपने चरम पर थी, जब एक ही साल में 1,936 घटनाएं हुईं और 720 नागरिकों की मौत हुई। पूरे दशक में हिंसा की 17,542 घटनाएं हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 1,913 जवान और 5,019 नागरिक मारे गए। कोई एक जैसी राष्ट्रीय नीति नहीं थी। राज्य सरकारें अलग-अलग काम करती थीं। फिर भी, 2009 में सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि नक्सलवाद भारत के सामने सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है, जिसका दायरा कश्मीर और पूर्वोत्तर से भी कहीं ज्यादा बड़ा था।

नीति में बदलाव: बिखरी प्रतिक्रिया से एकीकृत रणनीति की ओर- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना को मंजूरी मिलने के साथ वर्ष 2015 में एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके तहत पहले अपनाए जाने वाले कामचलाऊ और बिखरे हुए दृष्टिकोण की जगह एक व्यवस्थित, समन्वित और संपूर्ण सरकारी तंत्र को शामिल करने वाली रणनीति अपनाई गई। इस रणनीति के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती, विशेष प्रशिक्षण और सुरक्षा अभियानों को मजबूत करने के साथ-साथ वामपंथी उग्रवाद के सामाजिक-आर्थिक कारणों पर भी ध्यान दिया गया। इसके लिए सुरक्षा संबंधी व्यय, विशेष बुनियादी ढांचा योजना और विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) जैसी योजनाओं के माध्यम से आवश्यक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए गए। 2017 में विशेष केंद्रीय सहायता योजना की शुरुआत के बाद से अब तक लगभग 4,289.20 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इन गतिविधियों ने सुरक्षा उपायों के साथ-साथ विकास और जनकल्याण को गति देकर वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव की नींव मजबूत की। विशेष बुनियादी ढांचा योजना (एसआईएस) के तहत वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में विशेष बलों, विशेष खुफिया शाखाओं और जिला पुलिस ढांचे को मजबूत करने तथा सुदृढ़ पुलिस थानों के निर्माण के लिए 1,761 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं।

वर्ष 2014से15 से अब तक सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत 3,805.04 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य सुरक्षा बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करना, उनकी क्षमताओं व प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करना, आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादी कैडरों के पुनर्वास में सहायता करना तथा शहीद सुरक्षा कर्मियों और हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिवारों को मुआवजा प्रदान करना है। पहली बार, भारत ने वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए बातचीत, सुरक्षा और समन्वय पर आधारित एक व्यवस्थित और व्यापक दृष्टिकोण अपनाया। गृह मंत्रालय के तहत आंतरिक सुरक्षा एवं समन्वित ढांचे के माध्यम से सरकारी प्रयासों को आगे बढ़ाया गया, जिससे नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और प्रभावित क्षेत्रों में कारवाई की गति को मजबूत किया जा सका। भारत को नक्सलवाद के भय और हिंसा से मुक्त करने का लक्ष्य केंद्रित योजना, प्रभावी रणनीति और मजबूत आपसी समन्वय के माध्यम से हासिल किया गया।

24 अगस्त 2024 को भारत सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सुरक्षा अभियानों में तेजी लाने, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने, बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए किए गए समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप यह लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर हासिल कर लिया गया। यह उपलब्धि सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने वाली एकीकृत रणनीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

**सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना**

सरकार ने बुनियादी ढांचे के विस्तार, विशेष बलों और बेहतर ऑपरेशनल तालमेल के जरिए नक्सल-प्रभावित इलाकों में सुरक्षा की कमी को व्यवस्थित रूप से दूर किया। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने रेड कॉरिडोर में राज्य की मौजूदगी, आवाजाही, खुफिया जानकारी साझा करने और उग्रवाद-विरोधी क्षमताओं को बढ़ाया।

वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 66 सुदृढ़ पुलिस थाने थे, जबकि अब ऐसे 663 पुलिस थाने स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, पिछले सात वर्षों में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने, क्षेत्रों पर बेहतर नियंत्रण स्थापित करने और दूर-दराज के वन क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाने के लिए 408 नए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा शिविर बनाए गए हैं। दुर्गम क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तेजी से तैनाती व आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 68 रात्रि-अवतरण हेलीपैड भी विकसित किए गए हैं। इनसे सैनिकों की आवाजाही, घायलों को सुरक्षित निकालने और निगरानी अभियानों में महत्वपूर्ण सहायता मिली है। सुरक्षा बलों की सुरक्षा और परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए 400 बुलेटप्रूफ एवं विस्फोटरोधी वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, जवानों के कल्याण और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए 5 अस्पताल भी स्थापित किए गए हैं। इन उपायों ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा तंत्र को अधिक मजबूत, सक्षम और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विशेष बलों का एकीकरण: कोबरा, डीआरजी, एसटीएफ और ग्रेहाउंड्स एक बहुस्तरीय और समन्वित सुरक्षा तंत्र विकसित किया गया, जिसमें कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा राज्यों की विशेषीकृत इकाइयों, जैसे झारखंड जगुआर, छत्तीसगढ़ पुलिस की विशेष इकाइयों और आंध्र प्रदेश के ग्रेहाउंड्स, को एक साथ जोड़ा गया।

# पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से सरगुजा में बढ़ी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

***नीधि वर्मा का बिजली बिल हुआ शून्य, 1.08 लाख की डबल सब्सिडी से मिली राहत**

प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना सरगुजा जिले में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ आम परिवारों को बिजली खर्च से राहत दिलाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के तहत अंबिकापुर के मायापुर निवासी नीधि वर्मा के घर सोलर संयंत्र लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। नीधि वर्मा ने बताया कि सोलर संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 4 से 5 हजार रुपये तक आता था। बढ़े हुए बिजली खर्च से परिवार के बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। योजना के तहत छत पर सोलर संयंत्र स्थापित कराने के बाद अब घरेलू बिजली की जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं और बिजली बिल लगभग समाप्त हो गया है।

वर्मा परिवार को योजना के तहत कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। इसमें केंद्र सरकार की 78 हजार रुपये और राज्य सरकार की 30 हजार रुपये की सब्सिडी शामिल है। इस आर्थिक सहायता से सोलर संयंत्र लगाने की लागत काफी कम हुई और सौर ऊर्जा अपनाना आसान हो गया। नीधि वर्मा ने कहा, "पहले हम केवल बिजली के उपभोक्ता थे, अब खुद बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। घरेलू जरूरत से अधिक बिजली ग्रिड में जाती है और उसका लाभ भी मिलता है।"

**.लक्ष्य से दोगुने आवेदन, तेजी से बढ़ रहा सोलर का दायरा.**

विद्युत विभाग के अनुसार सरगुजा में योजना का लाभ तेजी से पहुंच रहा है। अंबिकापुर शहर में 1,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र के लक्ष्य के मुकाबले 2,021 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 1,985 हितग्राहियों के लिए वेंडर चयनित किए जा चुके हैं और 1,136 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।

अंबिकापुर ग्रामीण क्षेत्र में भी 1,000 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,282 आवेदन आए हैं। इनमें 1,200 हितग्राहियों के लिए वेंडर चयनित हुए हैं और 305 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र लग चुके हैं।

**.स्वच्छ ऊर्जा के साथ आर्थिक सशक्तिकरण.**

प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से सरगुजा के परिवारों को बिजली खर्च में राहत के साथ स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है। रूफटॉप सोलर संयंत्रों की बढ़ती संख्या जिले को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रही है। नीधि वर्मा ने अधिक से अधिक परिवारों से योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की सब्सिडी का लाभ लेकर घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाना परिवार और देश दोनों के हित में है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह योजना आम नागरिकों को आर्थिक राहत देने के साथ स्वच्छ और हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## कविता का कोना

### तुम क्या जानो कौन है फौजी

वही एक निस्वार्थ है,
जो वतन पर जान निछावर करता है।
तुम क्या जानो कौन है फौजी,
जो इस मुल्क की रक्षा करता है...।
माँ का बेटा, बहन का भाई,
किसी का सुहाग वो होता है।
भारत माँ के खातिर हर पल,
सीमा पर खड़े उस जवान को
समर्पित, जिसकी वजह से हम अपने
घरों में सुरक्षित हैं देश की सरहद पर
तैनात सैनिक सिर्फ वर्दी पहनने वाला
व्यक्ति नहीं, बल्कि वह साहस, त्याग
और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। अपने
परिवार और अपनों से दूर रहकर
वह देशवासियों की सुरक्षा के लिए
हर पल तैयार रहता है। इसी भावना
को शब्द देती है डॉ. अरुण मिश्रा
"अकेला" की यह रचना—
तुम क्या जानो कौन है फौजी,
इस मुल्क की रक्षा करता है।
अपने घर से दूर जो रहकर,
तुम्हारे घर की हिफाजत करता है।
तुम क्या जानो कौन है फौजी,
जो इस मुल्क की रक्षा करता है...।
तीज, त्योहार हो, ईद, दिवाली,
तुम घर में दीप जलाते हो।
बैठकर अपने परिवारों संग,
सब त्योहार मनाते हो।
तब वो घनेरी रातों में,
जंगल में पहरा करता है।
तुम क्या जानो कौन है फौजी,
जो इस मुल्क की रक्षा करता है...।
भीड़ जुटाओ, हल्ला मचाओ,
अपशब्द कहो तुम फौजी पर,
और भला कर भी क्या सकते हो ?
पत्थर बरसाओ फौजी पर...।
तैयार खड़ा वो होता है।
तुम चैन से रह सको,
तुम्हारे खातिर वो खुद को कुर्बान करता है।
तुम क्या जानो कौन है फौजी,
जो इस मुल्क की रक्षा करता है...।
जिस गली से गुजरे फौजी हमारे,
उनके कदमों में सर झुक जाते हैं।
कभी लिपट तिरंगे में लौटे,
तो सारे शहर खामोश हो जाते हैं।
जिनके दिल में हो देश का जज्बा,
अपने लहू से जो वतन रोशन करता है।
तुम क्या जानो कौन है फौजी,
जो इस मुल्क की रक्षा करता है...।

*डॉ. अरुण मिश्रा "अकेला"*
*कवि एवं लेखक*

# सफलता की कहानी

# विष्णु भैया के सुशासन में महतारी वंदन बना महिलाओं की आत्मनिर्भरता का आधार

## गौरेला की नीलम राठौर : "नियमित सहायता से बढ़ा आत्मविश्वास, परिवार की जिम्मेदारियों में दे रही योगदान"

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती दे रही है। प्रदेश की महिलाएं मुख्यमंत्री को स्नेह से ह्रविष्णु भैयाह्व कहती हैं। उनकी सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला ला रही है।

योजना के माध्यम से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं को परिवार की आवश्यकताओं में सहभागी बनाने के साथ अपने निर्णय स्वयं लेने का भरोसा भी दे रही है।

**नीलम के जीवन में आया बदलाव.**

ग्राम पंचायत लालपुर, विकासखंड गौरेला की श्रीमती नीलम राठौर के जीवन में महतारी वंदन योजना बदलाव की नई उम्मीद लेकर आई है। नीलम को योजना की 30वीं किस्त की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई है। नियमित रूप से मिलने वाली इस आर्थिक सहायता से वे अपनी और परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान दे पा रही हैं।

नीलम के लिए यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार बन गई है। उनका कहना है कि पहले परिवार की आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी इंतजार करना पड़ता था। अब नियमित सहायता मिलने से वे अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता के अनुसार पूरा कर पा रही हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में पहले से अधिक मजबूती के साथ भागीदारी निभा रही हैं।

**.आर्थिक सहयोग से बढ़ा आत्मविश्वास.**

नीलम बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उनके भीतर आर्थिक निर्णय लेने का आत्मविश्वास बढ़ाया है। परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों में योगदान देने से उन्हें लगता है कि वे अपने परिवार की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका कहना है कि आर्थिक रूप से सक्षम होने से महिलाओं में अपने फैसले स्वयं लेने का भरोसा बढ़ता है। नियमित आर्थिक सहायता ने उन्हें परिवार की जरूरतों को समझने और अपनी जिम्मेदारियों को अधिक आत्मविश्वास के साथ निभाने का अवसर दिया है।

**.महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल.**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को विकास की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में आगे बढ़ा रही है। महतारी वंदन योजना महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता को भी मजबूत कर रही है। योजना से मिलने वाली सहायता महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा के साथ भविष्य के प्रति भरोसे का आधार बन रही है। महिला केंद्रित योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर उन्हें परिवार और समाज के विकास में सक्रिय भागीदार बनाना है।

**.नीलम ने जताया आभार.**

श्रीमती नीलम राठौर ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। नीलम की कहानी इस बात का उदाहरण है कि महिलाओं को समय पर मिलने वाला आर्थिक संबल उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। विष्णु के सुशासन में संचालित महतारी वंदन योजना आज प्रदेश की अनेक महिलाओं के लिए आर्थिक संबल, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है।

## सूरज उगने वाला है

धृतर्ता जब क्रूरता पर उतर आए
तो समझ लेना की कपट का घड़ा भर गया है
आक्रोश की लपट जब राजा के चौखट
तक पहुँच जाए
तो समझ लेना राजा के सर पर कोहरा छा
गया है
झूठ का मुखौटा जब सबके सामने गिर
जाए
तो समझ लेना सच जीतने वाला है
जब सारा तंत्र प्रजा के खिलाफ खड़ा हो
जाए
तो समझ लेना तंत्र बिक चुका है
अशिक्षा और अशिक्षित का अंधकार जब
जीत के अहंकार में डूब जाए
तब समझ लेना शिक्षा और शिक्षित का
सूरज उगने वाला है।



*अतुल कुमार सिन्हा*

# भिलाई इस्पात संयंत्र में मानसिक एवं भावनात्मक सुदृढ़ता पर विशेष सत्र आयोजित

## इको केयर एवं आपदा प्रबंधन अभियान के तहत ब्रह्माकुमारी संस्था के सहयोग से कार्यक्रम

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर*

भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों में राष्ट्रव्यापी इको केयर एवं आपदा प्रबंधन अभियान के अंतर्गत मानसिक एवं भावनात्मक सुदृढ़ता, सकारात्मक सोच तथा आपदा की परिस्थितियों में मानसिक तैयारी पर केंद्रित विशेष संवाद एवं प्रेरक सत्रों का आयोजन किया गया। यह सत्र प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किए गए।

**कोक ओवन विभाग में हुआ संवाद सत्र**

कोक ओवन विभाग में आयोजित सत्र में कायर्कारी मुख्य महाप्रबंधक ओ.पी. भट्ट, विशिष्ट अतिथि वक्ता ब्रह्मकुमार पीयूष, आंचलिक समन्वयक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय और ब्रह्मकुमारी मयंक उपस्थित रहीं।

ब्रह्मकुमार पीयूष ने भावनात्मक सुदृढ़ता एवं संकट प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कामिकों को स्वस्फूर्त, ऊर्जावान एवं प्रसन्नचित रहते हुए संयंत्र तथा सेल की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कहा कि मानसिक एवं भावनात्मक रूप से तैयार रहना हर चुनौती पर विजय प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने सेल को ह्यमहारत्नह्व से ह्यविश्व रत्नह्व की ओर ले जाने में प्रत्येक कार्मिक की सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

एम एंड यू कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सत्र में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बी के बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक उपयोगिताएं जे पी सिंह सहित एम एंड यू जोन के अधिकारियों एवं कमर्चारियों ने सहभागिता की। इसी क्रम में स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महाप्रबंधक एसएमएस-2 कौशल कांत तिवारी, एस देबसिकदर, कमल अहमद शेख और सोवन मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण व कमर्चारीगण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि संकट या आपदा की स्थिति में केवल भौतिक संसाधन ही पर्याप्त नहीं होते, बल्कि शांत मन, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन, आत्मबल और विवेकपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता भी आवश्यक होती है। मानसिक रूप से सशक्त व्यक्ति चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना अधिक धैर्य और आत्मविश्वास के साथ कर सकता है।

सत्रों में जल का विवेकपूर्ण उपयोग, विद्युत ऊर्जा की बचत, सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार, पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार अपनाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर ब्रह्माकुमारी संस्था की बहनों ने शांति, प्रसन्नता और सकारात्मकता का संदेश दिया। इसके बाद संक्षिप्त ध्यान सत्र आयोजित किया गया जिसमें कमर्चारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

**खास खबर**

## भिलाई में उत्साहपूर्वक मनाया गया जैवलिन डे, 200 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।*

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा की ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में गुरुवार को देशभर में जैवलिन डे मनाया गया। इसी क्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र एथलेटिक्स क्लब द्वारा बीएसपी-भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 मैदान में जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग तथा सेल एथलेटिक्स अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता अंडर-14 बालक, अंडर-14 बालिका, पुरुष ओपन और महिला ओपन वर्गों में कराई गई। प्रत्येक वर्ग में प्रथम से दसवें स्थान तक के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

**200 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम.**

प्रतियोगिता में भिलाई एवं आसपास के क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों के साथ एचबीएस अकादमी, पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई इस्पात संयंत्र एथलेटिक्स क्लब सहित अन्य संस्थानों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

.परिणाम:. बालक:. प्रथम- आर्यन साहू, द्वितीय- देश गुप्ता, तृतीय- प्रिंस .अंडर-14 बालिका:. प्रथम- वंदना, द्वितीय- तृषा साहू, तृतीय- आरती निषाद .पुरुष ओपन:. प्रथम- किशन कुमार, द्वितीय- गौतम, तृतीय- साहिल मंडावी .महिला ओपन:. प्रथम- बिथिका रावा, द्वितीय- अंजली ठाकुर, तृतीय- कोशी ध्रुव

# सीएनसी सिमुलेशन प्रशिक्षण से भिलाई इस्पात संयंत्र में तकनीकी दक्षताओं का विकास

## एचआर-एलएंडडी की पहल, 15 कमर्चारियों ने लिया भाग

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर*




सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-लर्निंग एवं डेवलपमेंट विभाग द्वारा तकनीकी दक्षताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय ह्यइंडस्ट्रियल ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन सीएनसी सिमुलेशनह्व का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयंत्र के प्रचालन कार्यों से जुड़े 15 कमर्चारियों ने भाग लिया।

***आधुनिक तकनीक से जुड़ा प्रशिक्षण.**

यह कार्यक्रम बीएसपी में प्रशिक्षण अधोसंरचना के उन्नयन और कमर्चारियों को उद्योग-उपयोगी तकनीकी दक्षताओं से सुसज्जित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सीएनसी की मूलभूत अवधारणाओं, जी एवं एम कोड प्रोग्रामिंग, टर्निंग एवं मिलिंग सिमुलेशन, उन्नत प्रोग्रामिंग तकनीकों और सिमुलेशन आधारित व्यावहारिक मूल्यांकन पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन पंकज वर्मा और आकाश कुमार उरकुड़े द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को उन्नत सिमुलेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से सीएनसी प्रोग्रामिंग एवं मशीनिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण से प्रतिभागियों को आधुनिक विनिर्माण प्रक्रियाओं की बेहतर समझ विकसित हुई। इससे प्रोग्रामिंग कौशल मजबूत करने के साथ-साथ सुरक्षित एवं नियंत्रित वातावरण में सीएनसी प्रणालियों के संचालन एवं समस्या-निवारण की क्षमता भी विकसित हुई।

सीएनसी सिमुलेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम, एचआर-एलएंडडी सेंटर द्वारा सेंट्रल टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर के सहयोग से प्रशिक्षण अधोसंरचना के उन्नयन के लिए संचालित पहल का हिस्सा है। इस सहयोग के तहत एडवांस्ड इंडस्ट्रियल हाइड्रोलिक्स, कंप्यूटर हाडर्वेयर एवं नेटवर्क मैनेजमेंट तथा सीएनसी सिमुलेशन जैसे विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बीएसपी के उत्पादन विभागों की बदलती तकनीकी एवं दक्षता संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप कमर्चारियों की क्षमताओं का निरंतर विकास करना है।

**.आयोजन और समन्वय.**

कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक प्रभारी एचआर-एलएंडडी संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण का समन्वय सहायक प्रबंधक एस. फजली और एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट पी. जया प्रिया द्वारा किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा इस तरह की पहल से प्रशिक्षण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने, तकनीक आधारित अधिगम को बढ़ावा देने और आधुनिक इस्पात निर्माण की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

# कर्ज की किश्त और ब्याज को लेकर दबाव बनाकर सामान ले जाने वाली दो महिला आरोपी गिरफ्तार



*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

सुपेला पुलिस ने कर्ज की किश्त और ब्याज की मांग को लेकर महिला से मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने तथा जबरन सामान ले जाने के मामले में दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दोपहिया वाहन, वाशिंग मशीन और मोबाइल फोन बरामद कर जप्त किया है।

प्राथिर्या बलजीत कौर, निवासी कृपाल नगर, सड़क नंबर 06, कोहका ने थाना सुपेला में लिखित शिकायत दी। शिकायत के अनुसार प्राथिर्या ने आवश्यकता के चलते आरोपी सीमा यादव से अलग-अलग समय पर राशि उधार ली थी। सुरक्षा के रूप में बैंक के चेक और हस्ताक्षरित स्टाम्प भी दिए गए थे। प्राथिर्या द्वारा किश्तें अदा करने के बावजूद चेक वापस नहीं किए जा रहे थे। किश्त भुगतान में देरी होने पर आरोपीगण द्वारा दबाव बनाया जा रहा था।

दिनांक 19 जुलाई को प्राथिर्या के घर पहुंचकर आरोपीगण ने गाली-गलौज और मारपीट कर धमकी दी। इसके बाद घर से प्राथिर्या के पति के नाम पंजीकृत एक्टीवा दोपहिया वाहन क्रमांक उऋ-07-अव-3175, वलर्पूल कंपनी की वाशिंग मशीन और ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन ले गए।

प्राथिर्या की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 1138/2026, धारा 296, 351(2), 308(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान दोनों आरोपी महिलाओं को थाना उपस्थित होने के लिए तलब किया गया। पूछताछ और आरोपियों की निशानदेही पर प्राथिर्या के घर से ले गए सामान को अलग-अलग स्थानों से बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सीमा यादव और बबली साहू को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

# अग्रवाल महिला मंडल ने तीज, जन्माष्टमी और 15 अगस्त का संयुक्त कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया

**कार्यक्रम में बच्चों और बड़ों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई**

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।*

औद्योगिक क्षेत्र अग्रवाल महिला मंडल की ओर से शुक्रवार को तीज मिलन, जन्माष्टमी और 15 अगस्त का संयुक्त कार्यक्रम बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष बबीता अग्रवाल ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया और तीज, जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में बच्चों और बड़ों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के खेलों का भी आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए हाउजी खेल आयोजित किया गया जिसे सभी ने खूब आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। समापन हाई टी के साथ हुआ।

***पदाधिकारियों का योगदान***

इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव पिंकी अग्रवाल, उपाध्यक्ष किरण लोहिया, कोषाध्यक्ष नीता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, संरक्षक संध्या गोयल तथा रूबी अग्रवाल, मधु अग्रवाल, सुनीता गोयल, भावना अग्रवाल, ममता अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल, शशि अग्रवाल और नीतू अग्रवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# 7 दिनों में 1112 वाहनों पर नो-पार्किंग कार्रवाई

**भिलाईनगर।** यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने तथा शहर को सुंदर बनाने के उद्देश्य से 01 अगस्त से लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अतिक्रमण हटाने, नो-पार्किंग, गौवंश और कंडम वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग, दुर्ग नगर निगम, भिलाई नगर निगम, चरोदा नगर निगम, कुम्हारी नगर पालिका, रिसाली नगर निगम और इरढ प्रबंधन के साथ समन्वय कर संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही है।

शहर के प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों और व्यस्त मार्गों पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले तथा नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू किया गया। सड़कों और प्रमुख मार्गों पर विचरण करने वाले गौवंश से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। नगर निगमों के सहयोग से 173 गौवंश को सड़क से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। इसके साथ ही हाइवे पेट्रोलिंग द्वारा लगातार सड़क से गौवंश हटाने का कार्य किया जा रहा है। शहर की सड़कों, सर्विस रोड और सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय से खड़े कंडम और अनुपयोगी वाहनों को चिन्हित कर 118 वाहनों को हटाकर जप्ती की कार्रवाई की गई।

सड़क और सर्विस रोड पर अवैध रूप से कब्जा कर व्यापार करने वाले ठेले, गुमटी, अस्थायी दुकानों तथा वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों को हटाया जा रहा है। संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सड़क और सर्विस रोड आम नागरिकों के आवागमन के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहे।

**अपराध** करीब 45,000 का चोरी का केबल बरामद, मुखौटा और काटन का उपकरण भी जप्त

# इंजीनियरिंग पार्क हथखोज में शेड का ताला तोड़कर बिजली वायर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।*

पुरानी भिलाई पुलिस ने इंजीनियरिंग पार्क हथखोज स्थित शेड का ताला तोड़कर बिजली वायर चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से विभिन्न रंग और क्षमता के बिजली केबल बरामद किए गए हैं जिसकी अनुमानित कीमत ?45,000 है।

प्रार्थी प्रकाश कुमार मरकाम, 33 वर्ष, सहायक अभियंता, दुर्ग संभाग ने थाना पुरानी भिलाई में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास निगम के अंतर्गत इंजीनियरिंग पार्क हथखोज में निर्मित शेड एफ-01 का ताला टूटा हुआ था और अंदर लगा विद्युत बोर्ड क्षतिग्रस्त था। शेड में विद्युत कनेक्शन के लिए लगाए गए लगभग 350 मीटर बिजली वायर, जिसकी कीमत करीब ?30,000 थी, अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 418/2026, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

विवेचना के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी रवि राव उर्फ विठ्ठल को पकड़ा गया। पूछताछ और कब्जे से मिली सामग्री के आधार पर चोरी किया गया बिजली केबल बरामद किया गया।

आरोपी के कब्जे से दो सफेद प्लास्टिक बोरियों में लाल, पीला, काला, नीला और नारंगी रंग के 04 एमएम, 1.5 एमएम और 2.5 एमएम के बिजली केबल कई टुकड़ों में कटे हुए बरामद हुए। केबल की कुल कीमत करीब ?45,000 आंकी गई है। साथ ही एक प्लास्टिक का लोमड़ी नुमा मुखौटा और वायर काटने का उपकरण भी गवाहों के समक्ष जप्त किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। प्रकरण में विवेचना जारी है।

जांच में पता चला कि आरोपी ने इंजीनियरिंग पार्क के शेड में प्रवेश कर शटर का ताला तोड़ा। इसके बाद विद्युत कनेक्शन और वायर को काटकर अलग-अलग टुकड़ों में किया और चोरी की सामग्री को प्लास्टिक की बोरियों में रखकर ले गया। पहचान छिपाने के लिए मुखौटे का उपयोग किया गया।

नामः रवि राव उर्फ विठ्ठल, उम्र 28 वर्ष पताः निवासी बोन्कुलुरू, थाना वजर्पुकोतरू, जिला श्रीकाकुलम, आंध्रप्रदेश; वतर्मान पता तेजकोक कंपनी, दाऊ बस्ती, थाना खुर्सीपार, जिला दुर्ग। 1. विभिन्न रंग एवं क्षमता के कई टुकड़ों में कटे बिजली केबल, कुल कीमत करीब ?45,000 2. एक प्लास्टिक का लोमड़ी नुमा मुखौटा 3. वायर काटने का एक उपकरण

इस कायर्वाही में थाना पुरानी भिलाई पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम ने तकनीकी और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे पकड़ा और चोरी की सामग्री बरामद कर वैधानिक कायर्वाही की।

# उधारी और सब्जी कैरेट मांगने पर विवाद, धारदार हथियार लहराने वाला आरोपी गिरफ्तार



*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

सुपेला थाना क्षेत्र में उधारी रकम और सब्जी कैरेट वापस मांगने पर हुए विवाद में धारदार हथियार लहराकर मारपीट और धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया है। प्रार्थी नारायण सिंह की आकाश गंगा, सुपेला में थोक सब्जी की दुकान है। आरोपी मिथलेश कुमार चौधरी ने पूर्व में उधारी में सब्जी ली थी। उसके पास प्रार्थी की उधारी रकम और 77 नग सब्जी कैरेट वापस किया जाना शेष था। आरोपी द्वारा रकम वापस नहीं की जा रही थी और फोन पर संपर्क करने पर फोन भी नहीं उठाया जा रहा था। लगभग 11:15 बजे पारस ज्वेलर्स के पास, आकाश गंगा सुपेला में आरोपी मिलने पर प्रार्थी ने उधारी रकम वापस करने की बात कही। इसी बात पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्का से मारपीट की। इसके बाद आरोपी ने अपने टाटा एस वाहन से धारदार हथियार निकालकर लहराते हुए प्रार्थी को डराया-धमकाया।

# नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रोडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते है। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें,लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यही मात खा जाते है। आइए, जानते है दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है,

## रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह अन्य दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते है। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहू से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती है। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटामिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटामिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रॉल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पोषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) और लिट्टी चोखा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाएं पार कर नेशनल फूड बन चुके है।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते है और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते है तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

# शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है, चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते है। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशेंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

## हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते है शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते है। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

## पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते है और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होंठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

## यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते है, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती है।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुरझाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते है, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते है। इन लोगों की आंखें अंदर धंसने लगती है और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

# सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते है। आइए, जानते है पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्म हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉन्सिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान है तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान है तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

# हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

## वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

## चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

## मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसालों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जाने कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते है। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके है, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान है, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते है क्या है वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

# खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

## गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

## डायजेस्टिव चाय

आजकल, बजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वेरायटीज उपलब्ध है। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

## मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार एनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

## कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते है। ग्रीन और रेड एप्पल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

## सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

## वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

# बीच सत्र में 700 शिक्षकों का ट्रांसफर, कांग्रेस ने तबादला उद्योग बताया

## सुरेंद्र वर्मा ने कहा – जबरिया उगाही और भयादोहन के लिए हो रही कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार द्वारा शिक्षण सत्र के बीच 700 शिक्षकों के ट्रांसफर किए जाने पर सवाल उठाए हैं। प्रदेश कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने इसे जबरिया उगाही और भयादोहन के लिए चलाया जा रहा तबादला उद्योग करार दिया।

सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि शिक्षा विभाग में तबादले की प्रक्रिया आमतौर पर ग्रीष्मकालीन अवकाश या शिक्षण सत्र शुरू होने से पहले की जाती है। लेकिन भाजपा सरकार नियमों और तय मापदंडों को ताक पर रखकर शिक्षकों से वसूली के लिए बीच सत्र में तबादले कर रही है। सरकार के इस अव्यावहारिक निर्णय से बच्चों की पढ़ाई की लय टूटेगी। नए स्कूल, नए छात्रों के साथ तालमेल बिठाने में शिक्षक और छात्र दोनों को परेशानी होगी और कोर्स समय पर पूरा कर पाना मुश्किल होगा। सुरेंद्र वर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षकों से ज्यादा वसूली के लालच में ट्रांसफर सूची किस्तों में जारी कर रही है। विभाग ने अनुशंसा, प्रस्ताव और आवेदन के आधार पर 1700 शिक्षकों की सूची बनाई थी। अपेक्षित वसूली का लक्ष्य पूरा नहीं होने पर 1000 लोगों की संशोधित सूची बनाई गई। अंतिम तिथि तक चढ़ावा के मापदंडों में पीछे रह गए शिक्षकों के नाम सूची से बाहर कर दिए गए। सरकार के फोकस में बच्चों का भविष्य और शिक्षा व्यवस्था नहीं, भ्रष्टाचार है।

***पिछले साल भी प्रभावित हुए थे हजारों स्कूल.**

सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि बिना स्पष्ट नियम, ठोस स्थानांतरण नीति और समन्वय के केवल वसूली और राजनैतिक दबाव में किए जा रहे ट्रांसफर से शिक्षकों में रोष है। पिछले शिक्षण सत्र में जबरिया युक्तियुक्तकरण से 10538 स्कूल और 16165 शिक्षक प्रभावित हुए थे। इस साल भी सैकड़ों शिक्षकों के स्थानांतरण से विद्यार्थियों की पढ़ाई और स्कूलों की व्यवस्था पर विपरीत असर पड़ेगा।

# भाजपा सरकार में शराब की कालाबाजारी बढ़ी, प्रदेश बना गढ़ –कांग्रेस

## वंदना राजपूत ने ओवर रेटिंग से 3870 करोड़ का घोटाला का लगाया आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य में भाजपा सरकार पर शराब की दुकानों की संख्या बढ़ाने और अवैध शराब कारोबार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को शराबी बनाने पर तुली है और प्रदेश अवैध शराब का गढ़ बन चुका है।

वंदना राजपूत ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए शराबबंदी की बात करने वाली भाजपा सरकार ने राज्य में शराब दुकानों की संख्या दोगुनी कर दी है। पहले लगभग 700 देशी और अंग्रेजी शराब दुकानें थीं। भाजपा सरकार ने हर देशी शराब दुकान में अंग्रेजी और हर अंग्रेजी दुकान में देशी बेचना शुरू कर दिया है। इस तरह अब कुल 1400 शराब दुकानें हो गई हैं। इसके अलावा पिछले साल 67 नई दुकानें और इस साल 35 दुकानें और खोली गई हैं। भाजपा की रमन सरकार ने ही शराब का सरकारीकरण किया था। वंदना राजपूत ने कहा कि साय सरकार में शराब की कोचियागिरी बड़े पैमाने पर चल रही है। नकली सरकारी होलोग्राम लगाकर शराब बेची जा रही है। प्रदेश के कई स्थानों से खबरें आ रही हैं कि सरकारी शराब दुकानों से 200 रुपये प्रति पेटी अतिरिक्त लेकर कोचिये गली-मोहल्लों में शराब पहुंचा रहे हैं।

डोंगरगढ़ में बाटलिंग प्लांट यूनिट में पानी मिलाते हुए पकड़े गए। रायगढ़ में भी नकली शराब बाटलिंग की शिकायत आई है। दूसरे राज्यों की शराब बस्तर, सरगुजा सहित मैदानी क्षेत्रों में निर्बाध पहुंच रही है। नकली और अवैध शराब का धंधा सत्ता के संरक्षण में फल-फूल रहा है। वंदना राजपूत ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में प्रतिदिन 28 लाख 65 हजार बोतल शराब का विक्रय हो रहा है। हर बोतल में 10 से 60 रुपये अधिक वसूले जा रहे हैं। इससे प्रतिदिन 4 करोड़ 29 लाख रुपये, महीने का 129 करोड़ और सालाना 1548 करोड़ की अवैध वसूली हो रही है। विगत ढाई साल में सरकार ने 3870 करोड़ रुपये का शराब ओवर रेटिंग घोटाला किया है।

खास खबर

# 5,000 के इनामी आरोपी को राजनांदगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

राजनांदगांव पुलिस ने साइबर सेल और पुलिस चौकी मोहारा की संयुक्त कार्रवाई में 3 माह से फरार चल रहे ?5,000 के इनामी आरोपी नंदकिशोर वर्मा उर्फ नीतू उर्फ छोटे कट्टी को गिरफ्तार किया है।
पुलिस के अनुसार 07 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस चौकी मोहारा की टीम ने कोटरीछापर रोड स्थित मुढिया नाला के पास दबिश दी थी। इस दौरान मध्यप्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की की 9 पेटी यानी 450 पौवा, कुल 81 बल्क लीटर कीमत 60,750 रुपये और एक ओला ईवी स्कूटी सहित कुल 1,10,750 रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जबकि मुख्य आरोपी नंदकिशोर मौके से फरार हो गया था। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा 5,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था और जिला स्तर पर इस्तेहार भी जारी किया गया था। लगातार तकनीकी निगरानी, मुखबिर सूचना और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने 08 अगस्त 2026 को आरोपी को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार उ꣸04 छ꣸9461 को महाराष्ट्र में बेच दिया गया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। वाहन की बरामदगी के लिए आगे विवेचना जारी है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि फरार एवं इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी और अवैध शराब तस्करी पर नियंत्रण का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

> अवैध शराब प्रकरण में 3 माह से चल रहा था फरार

# जिला जेल बेमेतरा में 28 बंदियों को दिया गया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

## कौशल विकास और स्वरोजगार की दिशा में सार्थक पहल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा।

कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा द्वारा जिला जेल बेमेतरा में बंदियों के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 6 और 7 अगस्त को दो दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला जेल के 28 बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तोषण ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण का संचालन केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. राजनी डी. अगाशे और डोमन सिंह टेकाम ने किया।

***मशरूम उत्पादन की दी गई व्यावहारिक जानकारी.**

दो दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की आधुनिक और व्यावहारिक तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें आवश्यक सामग्री, सब्सट्रेट तैयार करने की विधि, स्पॉन की जानकारी, उत्पादन की विभिन्न अवस्थाएं, स्वच्छता और सावधानियां, तापमान एवं नमी का प्रबंधन, फसल की देखभाल, तुड़ाई के साथ ही मशरूम के विपणन और मूल्य संवर्धन जैसे विषय शामिल रहे।

प्रशिक्षण के दौरान व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से बंदियों को उत्पादन की पूरी प्रक्रिया प्रत्यक्ष रूप से समझाई गई। इससे उन्हें तकनीक को सैद्धांतिक रूप से समझने के साथ व्यवहार में अपनाने की जानकारी भी मिली।

> प्रशिक्षण का संचालन केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. राजनी डी. अगाशे और डोमन सिंह टेकाम ने किया

**.कम लागत में स्वरोजगार का माध्यम.**

वैज्ञानिकों ने बताया कि मशरूम उत्पादन कम स्थान, कम लागत और सीमित संसाधनों में स्वरोजगार का बेहतर विकल्प बन सकता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य बंदियों को ऐसा उपयोगी और रोजगारपरक कौशल देना है, जिसे वे जेल से बाहर आने के बाद अपनाकर आजीविका का साधन बना सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्र के कमलेश बघेल, मिलाप वर्मा एवं अन्य कमर्चारियों का सहयोग रहा। जिला जेल बेमेतरा के अधीक्षक राहुल पाण्डेय तथा जेल के अधिकारियों एवं कमर्चारियों ने भी प्रशिक्षण के सुचारु संचालन में समन्वय किया।

# बसंतपुर पुलिस ने 3 शराब कोचियों को किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

थाना बसंतपुर पुलिस ने अवैध शराब बिक्री पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 75 पौवा देशी प्लेन शराब जब्त की गई है।
1. सौरभ कुमार प्रजापति., पिता सालिक राम प्रजापति, उम्र 21 वर्ष, निवासी सिंगदई चौक मोहारा, थाना बसंतपुर .थानसिंह पारधी., पिता स्व. सोहू राम पारधी, उम्र 66 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 43 बंगाली चाल, थाना बसंतपुर 3. .धनराज रामटेके., पिता स्व. बाबूलाल रामटेके, उम्र 58 वर्ष, निवासी मठपारा रामनगर, थाना कोतवाली, जिला राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के निर्देशन में अवैध शराब बिक्री पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखबिर सूचना पर बसंतपुर पुलिस ने तीनों आरोपियों को शराब बेचते हुए पकड़ा। – सौरभ कुमार प्रजापति के कब्जे से 40 पौवा देशी शराब और 300 रुपये बिक्री रकम जब्त। – धनराज रामटेके के कब्जे से 20 पौवा देशी प्लेन शराब और 200 रुपये बिक्री रकम जब्त।
– थानसिंह पारधी के कब्जे से 15 पौवा देशी शराब और 200 रुपये बिक्री रकम जब्त। देशी शराब 13.860 बल्क लीटर, अनुमानित मूल्य 7,560 रुपये बरामद की गई। तीनों के विरुद्ध अलग-अलग अपराध क्रमांक 366/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट, 367/26 धारा 34(ए) आबकारी एक्ट और 368/26 धारा 34(ए) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध किया गया। आरोपी सौरभ प्रजापति को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि सौरभ के विरुद्ध पहले से भी थाना बसंतपुर में आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन, प्रशिक्षु उप निरीक्षक राजीव चन्द्रा, हीरामणी, प्रधान आरक्षक किशोर यादव, आरक्षक भुनेश्वर जायसी, विक्रम चन्द्रवंशी और थाना बसंतपुर स्टाफ की भूमिका रही।

# साइबर सेल और सिटी कोतवाली की संयुक्त कार्रवाई, गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में साइबर सेल और थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की अवैध बिक्री में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 07 अगस्त 2026 को मुखबीर से सूचना मिली कि योगेश कुमार बंजारे निवासी ग्राम लोलेसरा अपने केला बाड़ी खेत में बनी बोर झोपड़ी के पास अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक सोनल ग्वाला और साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम लोलेसरा स्थित केला बाड़ी पहुंचकर छापा मारा। इस दौरान आरोपी योगेश कुमार बंजारे पिता देवव्रत बंजारे उम्र 31 वर्ष को अवैध मादक पदार्थ के साथ मौके से पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 01 किलो 176 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 13,000 रुपये, बिक्री रकम 1,500 रुपये और 01 नग मोबाइल कीमती करीब 20,000 रुपये जप्त किया गया। जप्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 34,500 रुपये आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

# राजनांदगांव में यातायात नियम उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई

> 1035 वाहनों पर जुर्माना, 5 लाख 26 हजार 300 रुपये वसूले

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

त्योहारी सीजन को देखते हुए राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में यातायात पुलिस ने शहर में यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध सघन अभियान चलाया। अभियान में कुल 1035 वाहनों पर कार्रवाई कर 5 लाख 26 हजार 300 रुअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और यातायात प्रभारी निरीक्षक नवरत्न कश्यप के नेतृत्व में यह कार्रवाई शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों पर की गई। इसमें नया बस स्टैंड चौक, महावीर चौक, खैरागढ़ रोड, भगत सिंह चौक, पुराना रेस्ट हाउस, रेल्वे स्टेशन रोड, पोस्ट ऑफिस चौक, पुराना बस स्टैंड, राम दरबार, अग्रवाल ट्रांसपोर्ट, गंज चौक, कुआं चौक, नंदई चौक, महामाया चौक, तिरंगा चौक, भारत माता चौक, कामठी लाइन, सिनेमा लाइन, जूनी हटरी, मानव मंदिर चौक, फौवारा चौक, गांधी चौक, दुर्गा चौक, सदर लाइन, फुर्सत के पल चौक, कविता कॉम्पलेक्स चौक, अम्बेडकर चौक, आरके नगर सर्विस रोड और मोतीपुर अंडर ब्रिज रोड शामिल हैं। यातायात पुलिस ने अपील की है कि त्योहारी सीजन में बाजार और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ेगा। नागरिक अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही पार्क करें और नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें। सभी व्यापारियों से भी कहा गया है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में आने वाले ग्राहकों के वाहनों को निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा करवाएं और सड़क पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़े न होने दें।

### किस नियम पर कितनी कार्रवाई

*नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने पर 556 वाहनों पर कार्रवाई
शराब पीकर वाहन चलाने पर 18 वाहन चालकों पर कार्रवाई
*बिना वैध लाइसेंस ई-रिक्शा चलाने पर 29 वाहन चालकों पर कार्रवाई
*प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन प्रवेश कराने पर 03 वाहनों पर कार्रवाई, 9,000 रुपये जुर्माना
*यातायात के अन्य नियमों के उल्लंघन पर 429 वाहनों पर कार्रवाई

कार्रवाई | आरोपी के कब्जे से धारदार चाकू बरामद, आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई

# चाकू लहराकर लोगों को डरा रहा था युवक, डोंगरगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़।

डोंगरगढ़ पुलिस ने सरस्वती शिशु मंदिर के सामने धारदार चाकू लहराकर आम लोगों को डरा-धमका रहे युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चाकू जब्त कर उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।
पुलिस के अनुसार दिनांक 07-08-2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि सरस्वती शिशु मंदिर के सामने एक व्यक्ति धारदार चाकू रखकर उसे लहराते हुए लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल के नेतृत्व में डोंगरगढ़ पुलिस स्टाफ ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। शुभम वर्मा., पिता केशव वर्मा, उम्र 20 वर्ष, निवासी नाकापारा, वार्ड नंबर 01, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद किया गया। उसके विरुद्ध थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 437/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय में



# पत्नी पर हसिया से हमला करने वाला पति गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा।

जिला बेमेतरा के थाना नांदघाट पुलिस ने पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी पर हसिया से जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को आज न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

प्रार्थीया मीनू कुर्रे उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम मुमहेला थाना आरंग जिला रायपुर, हाल ग्राम मुरकुटा थाना नांदघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि पति लेखराम कुर्रे के साथ छोटी-छोटी बातों को लेकर मारपीट होती थी। इसके चलते मीनू अपने चार बच्चों के साथ मायके ग्राम मुरकुटा में रह रही थी।

दिनांक 31.07.2026 को सुबह करीब 10 बजे लेखराम कुर्रे मुरकुटा आया और घर चलने की बात कही। मीनू ने मना किया तो विवाद शुरू हो गया। आवेश में आकर लेखराम ने घर के परछी में रखे हसिया से मीनू के गले पर वार कर दिया। पास में बैठी बहन ने बीच-बचाव कर धक्का देकर लेखराम को हटाया। आरोपी हसिया वहीं छोड़कर फरार हो गया। गांव की मितानिन ने 112 पर सूचना दी। घायल मीनू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में भर्ती कराया गया। पीड़िता ने बताया कि अगर हाथ से नहीं रोकती और बहन नहीं बचाती तो हसिया के वार से उसकी हत्या हो जाती।



रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में धारा 109 (1) इठर के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव और एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक लेखराम ठाकुर को विवेचना सौंपी गई। विवेचना में एफएसएल यूनिट का सहयोग लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी लेखराम कुर्रे उर्फ सोनू पिता तिजु राम कुर्रे उम्र 29 वर्ष, निवासी मुमहेला थाना आरंग जिला रायपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

# गुजरात में छत्तीसगढ़ पर्यटन की दमदार दस्तक

## ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर गांधीनगर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की प्रभावी सहभागिता

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार पर्यटन विकास और व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दे रही है। इसी क्रम में गुजरात के गांधीनगर में 6 से 8 अगस्त तक आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की प्रभावी सहभागिता राज्य की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बनी है।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जलप्रपातों, वन क्षेत्रों और रोमांचक पर्यटन स्थलों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। टीटीएफ गांधीनगर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीकृत 26 ट्रैवल एजेंट और होटल व्यवसायियों ने भी भागीदारी की। इससे छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को देशभर के यात्रा संचालकों, ट्रैवल एजेंटों और होटल व्यवसायियों के समक्ष सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिला। मेले में आए प्रतिनिधियों को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों, सुविधाओं और भ्रमण की संभावनाओं की जानकारी दी गई।

छत्तीसगढ़ की पर्यटन क्षमता को प्रभावी तरीके से प्रदर्शित करने के लिए टूरिज्म बोर्ड द्वारा 100 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में आकर्षक छत्तीसगढ़ पवेलियन तैयार किया गया। पवेलियन में राज्य की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ पर्यटन की विविध संभावनाओं को दर्शाया गया। पवेलियन में बेहतर बैठक और व्यावसायिक संवाद की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

टीएफ में छत्तीसगढ़ की सहभागिता के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। बड़ी संख्या में नए ट्रैवल एजेंट और पर्यटन व्यवसायी छत्तीसगढ़ पवेलियन पहुंचे और राज्य के पर्यटन स्थलों में विशेष रुचि दिखाई। कई नए व्यवसायियों ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीयन कराने की इच्छा जताई है। इससे देश के विभिन्न हिस्सों से छत्तीसगढ़ आने वाले पर्यटकों के लिए नए पर्यटन पैकेज और यात्रा सुविधाओं के विस्तार की संभावना बढ़ी है।

### राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत हो रही पहचान

इस मेले में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और गुजरात पर्यटन के साथ मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पंजाब और दिल्ली सहित देश के अनेक राज्यों ने सहभागिता की। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से पर्यटन गतिविधियों के विस्तार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए अधोसंरचना विकास और प्रचार-प्रसार पर काम कर रही है। टीटीएफ जैसे आयोजनों से छत्तीसगढ़ की पहचान एक समृद्ध और विविधतापूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में और मजबूत हो रही है।

# संविधान में असंतुलन का विरोध : चेम्बर के कार्यकारी अध्यक्ष कमल सोनी ने दिया त्यागपत्र

## पद छोड़ा है, व्यापारियों की आवाज उठाने का संघर्ष जारी रहेगा

*नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर।*

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बिलासपुर संभाग कार्यकारी अध्यक्ष एवं संविधान संशोधन समिति के सदस्य कमल सोनी ने चेम्बर की कार्यप्रणाली और संविधान में विद्यमान असंतुलित व्यवस्थाओं के विरोध में अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है।

**एजेंडे से हटाए गए महत्वपूर्ण विषय**

कमल सोनी ने कहा कि उनके द्वारा चेम्बर में लगातार संविधान संशोधन, संतुलित नेतृत्व और प्रदेश के सभी संभागों के व्यापारियों को समान प्रतिनिधित्व देने की मांग उठाई जाती रही है। आगामी 09 अगस्त की कार्यकारिणी बैठक में संविधान संशोधन और बिलासपुर के व्यापारियों के हितों से जुड़े विषय एजेंडे में शामिल थे, लेकिन बाद में इन महत्वपूर्ण विषयों को एजेंडे से हटा दिया गया।

**धारा 15 पर उठाए सवाल**

उन्होंने चेम्बर के संविधान की धारा 15 पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों के लिए रायपुर एवं नया रायपुर क्षेत्र से संबंधित पात्रता निर्धारित है। जबकि प्रदेश के अन्य क्षेत्रों को सवीच्च नेतृत्व में समान अवसर नहीं मिल पाता। "जब संगठन पूरे छत्तीसगढ़ के व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करता है, तो उसके नेतृत्व की व्यवस्था भी पूरे प्रदेश के सभी संभागों के लिए समान अवसर वाली होनी चाहिए। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए संविधान संशोधन आवश्यक है," कमल सोनी ने कहा। .बिलासपुर को रउफ में शामिल करने और इंडस्ट्रियल पार्क की मांग.

उन्होंने बिलासपुर को State Capital Region में शामिल करने की मांग दोहराई। वर्तमान रउफमें रायपुर, भिलाई, दुर्ग शामिल हैं। उनका कहना है कि बिलासपुर प्रदेश का प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र होने के साथ उच्च न्यायालय, रेलवे जोन और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों का केंद्र है।

बिलासपुर संभाग में बिजली, कोयला, रेलवे, लाइमस्टोन और पानी जैसे संसाधन होने के बावजूद इंडस्ट्रियल पार्क की मांग को शासन तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि मांगों को गंभीरता से उठाया

### औद्योगिक पलायन पर चिंता

कमल सोनी ने कहा कि पिछले लगभग 10 वर्षों में बिलासपुर सहित अन्य संभागों के प्रमुख उद्योगों का रायपुर की ओर पलायन तेज हुआ है। इसका कारण क्षेत्रीय आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं मिलना है। यदि सभी क्षेत्रों को समान प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो आर्थिक असंतुलन बढ़ेगा, जिसका नुकसान पूरे छत्तीसगढ़ को होगा।

### संघर्ष जारी रखने का संकल्प

त्यागपत्र देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय किसी व्यक्ति या क्षेत्र के विरोध में नहीं, बल्कि संगठन में सुधार और समान प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर है। उन्होंने कहा, "मैंने पद से त्यागपत्र दिया है, लेकिन अपने उद्देश्य से नहीं। बिलासपुर के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के सभी संभागों के व्यापारियों की आवाज को मजबूती प्रदान करने का प्रयास जारी रहेगा। यह प्रयास तब तक जारी रहेगा जब तक चेम्बर पूरे प्रदेश के व्यापारियों की प्रभावी और समान आवाज नहीं बन जाता।"

# प्रयागराज में राहुल गांधी के सामने छात्रों ने दिया दमदार भाषण, घबराए तो राहुल ने बढ़ाया हौसला

## केपी ग्राउंड में युवा संवाद, सोशल मीडिया और बेरोजगारी पर हुई खुली चर्चा

*नई दृष्टिबिंदु / प्रयागराज।*

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को प्रयागराज के केपी ग्राउंड पहुंचे। यहां आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, युवा और आम लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की सबसे खास बात रही मंच पर छात्रों का बेबाक भाषण और राहुल गांधी का छात्रों के प्रति सहयोगी रवैया।

**"मंच पर छात्रों का जोरदार भाषण**

कार्यक्रम के दौरान कई छात्र-छात्राओं को मंच पर अपनी बात रखने का मौका दिया गया। शिक्षा, महंगाई, पेपर लीक और रोजगार के मुद्दों पर छात्रों ने बेबाकी से अपनी राय रखी। एक छात्रा जब भाषण के बीच में नर्वस हो गई और शब्द भूल गई तो राहुल गांधी ने बीच में आकर उसे सहारा दिया। उन्होंने कहा "घबराइए मत, धीरे-धीरे बोलिए। आपकी बात देश को सुननी चाहिए।" राहुल के इस व्यवहार से माहौल हल्का हुआ और छात्राओं ने तालियों के बीच अपना भाषण पूरा किया।

**सोशल मीडिया और युवाओं पर फोकस**

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सोशल मीडिया के प्रभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज युवा सबसे ज्यादा सोशल मीडिया से जुड़े हैं, लेकिन इसके साथ ही फेक न्यूज, नफरत और एल्गोरिदम के जरिए युवाओं की सोच को प्रभावित करने की कोशिश भी हो रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सवाल पूछें, तर्क करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। राहुल ने कहा कि देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी है। यूपी में हर साल लाखों युवा डिग्री लेकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं मिलता। पेपर लीक ने छात्रों का भरोसा तोड़ा है। सरकार को इस पर जवाब देना होगा।

.केपी ग्राउंड में उमड़ी भीड़.

कार्यक्रम को सुनने के लिए केपी ग्राउंड में छात्रों और कार्यकर्ताओं की अच्छी खासी भीड़ जुटी। नारे, तिरंगे और पोस्टर के साथ युवा बड़ी देर तक राहुल के संबोधन को सुनते रहे। कांग्रेस नेताओं के अनुसार इस तरह के युवा संवाद का मकसद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले छात्रों और युवाओं से सीधे जुड़ना है। प्रयागराज शिक्षा का बड़ा केंद्र है और यहां से निकले छात्र पूरे देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। कार्यक्रम के अंत में राहुल गांधी ने छात्रों के साथ सेल्फी ली और कई छात्रों से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत भी की।

# बेटियां बनेंगी आत्मनिर्भर भारत की आधार - ललित चंद्राकर

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।*

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के तहत दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर, ग्राम अंडा में 61 छात्राओं को साइकिल वितरित की। कार्यक्रम में विद्यालय के मेधावी एवं उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को बैज लगाकर सम्मानित भी किया गया। विधायक ललित चंद्राकर राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने छात्राओं को साइकिल प्रदान कर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर काम कर रही है। निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना बेटियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। साइकिल मिलने से अब बेटियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय बचेगा और वे आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई कर सकेंगी। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी लगन, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ें। जो बनना चाहते हैं उसके लिए अभी से संकल्प लें और मेहनत करें। शिक्षा ही एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव है। आज की बेटियां कल डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और अधिकारी बनकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने संस्कार और नशा मुक्ति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ बच्चों को अच्छे संस्कार देना जरूरी है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100